संयम ◆ संस्कार ◆ संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 266
पृष्ठ 8
बुधवार
18 जून 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित
Email : shaharsamta@gmail.com
Website : https://Shaharsamta.com
सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- मुंह के ये छाले बन सकते हैं कैंसर...
विचार- स्टार्टअप्स के लिए जरूरी है, समझ...
खेल- इंग्लैंड में सबसे सफल भारतीय...

अमरनाथ यात्रा को लेकर हुआ सख्त फैसला

जम्मू कश्मीर में पूरा मार्ग हुआ नो फ्लाई जोन घोषित

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू कश्मीर सरकार ने वार्षिक अमरनाथ यात्रा के लिए सुरक्षा उपायों को बढ़ाते हुए मंगलवार को यात्रा मार्गों को 'नो फ्लाइंग जोन' (उड़ान निषिद्ध क्षेत्र) घोषित किया। अमरनाथ यात्रा के लिए तीर्थयात्री दो मार्ग – पारंपरिक पहलगाम मार्ग और बालटाल मार्ग का इस्तेमाल करते हैं। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के आदेश पर जम्मू कश्मीर के गृह विभाग द्वारा जारी घोषणा में कहा गया है कि इस क्षेत्र में एक जुलाई से 10 अगस्त तक मानवरहित हवाई यान (यूएवी), ड्रोन, गुब्बारे समेत किसी भी प्रकार के विमानन यंत्र उड़ाना प्रतिबंधित है। बहरहाल, यह पाबंदी मरीजों को उपचार के लिए विमान से ले जाने, आपदा प्रबंधन और सुरक्षा बलों द्वारा निगरानी उड़ानों पर लागू नहीं होगी। ऐसे अपवादों के लिए विस्तृत मानक संचालन प्रक्रिया बाद में जारी की जाएगी। आदेश में कहा गया है कि तीन जुलाई

से शुरू हो रही श्री अमरनाथजी यात्रा के मद्देनजर यात्रा के सुचारू एवं शांतिपूर्ण संचालन के लिए विभिन्न सुरक्षा बंदोबस्त किए जा रहे हैं। इसमें कहा गया है कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने भी सलाह दी है कि श्री अमरनाथ जी यात्रा के पूरे मार्ग को एक जुलाई से 10 अगस्त तक 'नो फ्लाइंग जोन' घोषित किया जाए। आदेश में कहा गया है, ''इसलिए, श्री अमरनाथजी यात्रा, 2025 के दौरान मजबूत सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से यात्रा के सभी मार्गों को 'नो फ्लाइंग जोन' घोषित किया जाता है, जिसमें पहलगाम और बालटाल दोनों मार्ग शामिल हैं।'' पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के बाद सुरक्षा उपाय बढ़ाए गए हैं। इस हमले में 26 लोगों की मौत हो गयी थी। अमरनाथ यात्रा में हर साल देशभर से हजारों तीर्थयात्री शामिल होते हैं। इस बीच, जम्मू–कठुआ के पुलिस उप महानिरीक्षक (डीआईजी)ने सरस्वती धाम, वैष्णवी धाम और कालिका धाम रेलवे स्टेशन की सुरक्षा समीक्षा भी की, जहां यात्रा के दौरान अमरनाथ यात्रियों को ठहराया जाएगा। उन्होंने इन स्थानों तथा इनके आसपास तैनात गार्डों का निरीक्षण किया तथा मार्ग में सीसीटीवी कैमरों एवं पार्किंग आवंटन की जांच की।

शिविर की सुरक्षा के लिए निगरानी करेंगे टावर और चौकी

जम्मू स्थित श्री अमरनाथ यात्रा आधार शिविर के आसपास सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के लिए अतिरिक्त निगरानी टावर और एक चेक पोस्ट बनाई जा रही है। यह 38 दिवसीय वार्षिक तीर्थयात्रा तीन जुलाई से शुरू हो रही है। अमरनाथ यात्रा के तीर्थयात्रियों का पहला जत्था कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच दो जुलाई को जम्मू से रवाना होगा। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि भगवती नगर स्थित आधार शिविर में तीर्थयात्रियों की सुरक्षा के लिए सुरक्षा संबंधी सभी आवश्यक उपाय किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि किसी भी संदिग्ध या अवांछित गतिविधि पर लगातार नजर रखने के लिए आधार शिविर और आसपास के क्षेत्रों में अतिरिक्त निगरानी टावर स्थापित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अर्धसैनिक बलों के साथ पुलिसकर्मी आधार शिविर के आसपास के क्षेत्र में लगातार नजर रखेंगे। तवी नदी के किनारे चौथे पुल को जोड़ने वाले मार्ग पर एक जांच चौकी भी स्थापित की जा रही है।अमरनाथ यात्रा समाप्त होने के बाद भी यह पुलिस चेक पोस्ट यहीं रहेगी। इसके अलावा, भगवती नगर में गुजराल कैंप मार्ग पर अस्थायी जांच चौकियां भी स्थापित की जा रही हैं और आधार शिविर को जोड़ने वाले तथा उससे सटे सभी मार्गों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने कहा कि आधार शिविर के भीतर और आसपास उच्च क्षमता युक्त और नाइट विजन क्लोज सर्किट कैमरे/टीवी (सीसीटीवी) लगाए गए हैं।

बम की सूचना के बाद इंडिगो विमान की नागपुर में इमरजेंसी लैंडिंग

कोच्चि से दिल्ली जा रही थी फ्लाइट

नागपुर, एजेंसी। कोच्चि से दिल्ली जा रहे इंडिगो के विमान को बम की सूचना मिलने के बाद नागपुर में लैंड किया गया है। बताया जा रहा है कि विमान में बम के रखे होने की सूचना मिली थी। इसके बाद विमान को नागपुर में उतारा गया है। जानकारी के मुताबिक, इंडिगो की फ्लाइट 6ई 2706 ने कोच्चि से दिल्ली के लिए उड़ान भरी थी। विमान को बम की धमकी के बाद नागपुर में आपातकालीन लैंडिंग करानी पड़ी। पुलिस और अग्निशमन दल विमान की जांच कर रहे हैं। विमान में बम की धमकी की सूचना मिलने के बाद नागपुर एयरपोर्ट पर पुलिस और दमकल की गाड़ियां पहुंच गई हैं और विमान में सवार सभी यात्रियों को सुरक्षित उतारा गया है। साथ ही विमान की जांच की जा रही है। पता चला है कि विमान की

थोड़ी देर पहले ही नागपुर में इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई है। विमान से अभी तक कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है। सभी यात्री सुरक्षित हैं। इससे पहले, मंगलवार सुबह सैन फ्रांसिस्को से मुंबई आ रही एयर इंडिया की फ्लाइट को कोलकाता में खाली कराया गया था। सैन फ्रांसिस्को से कोलकाता होते हुए मुंबई जाने वाली एयर इंडिया की फ्लाइट के इंजन में तकनीकी खराबी आई, जिसके कारण मंगलवार को शहर के एयरपोर्ट पर निर्धारित ठहराव के दौरान यात्रियों को विमान से उतारना पड़ा। कोलकाता एयरपोर्ट पर टेक ऑफ के बाद पता चला कि एक इंजन में खराबी है। फ्लाइट एआई180 कोलकाता एयरपोर्ट पर रात लगभग 12.45 बजे पहुंची, लेकिन बाएं इंजन में तकनीकी खराबी के कारण उड़ान में देरी हुई। लगभग सुबह 5 बजकर 20 मिनट पर विमान में एक घोषणा की गई, जिसमें सभी यात्रियों को विमान से उतरने के लिए कहा गया। सोमवार को एयर इंडिया के बोइंग 787–8 ड्रीमलाइनर में तकनीकी खराबी आई थी, जिसके कारण एआई 315 फ्लाइट को सोमवार को दिल्ली के लिए उड़ान भरने के तुरंत बाद आधे रास्ते से ही हांगकांग वापस लौटना पड़ा।

ईरान को दुष्ट शासकों से मुक्त कराया जा रहा है : नेतन्याहू

तेल अवीव/तेहरान,एजेंसी। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ईरान के साथ जारी युद्ध को वहां के ष्दुष्ट शासकों ष से मुक्त करने का अभियान बताते हुए साफ किया है कि उनके दिन अब लद गये है और वहां स्वतंत्रता की मशाल जल चुकी है। श्री नेतन्याहू ने ईरान इंटरनेशनल से कहा 'ईरानी शासन के दिन अब गिने–चुने रह गए हैं और देश में स्वतंत्रता की मशाल जल चुकी है। इसे स्वतंत्रता की ओर ले जाएं।

गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस वे का 20 जून को लोकार्पण करेंगे योगी

गोरखपुर, एजेंसी। यात्री सुरक्षा के लिहाज से महत्वपूर्ण गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे के लोकार्पण के दिन 20 जून को मुख्यमंत्री सुरक्षा फ्लीट को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। आने वाले दिनों में सड़क सुरक्षा के लिए यहां लखनऊ–आगरा एक्सप्रेसवे की तर्ज पर एटीएमएस (एडवांस ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम) भी लागू किया जाएगा। उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) द्वारा बनवाए गए गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे पर यात्री सुरक्षा के लिए मुख्यमंत्री जिस सुरक्षा फ्लीट का शुभारंभ करेंगे उसमें पांच इनोवा, पांच कैम्पर, चार एम्बुलेंस, दो क्रेन और एक हाइड्रा वाहन शामिल हैं।

ईरान–इजरायलः विदेश मंत्रालय ने नियंत्रण कक्ष बनाया

नयी दिल्ली, एजेंसी। ईरान और इजरायल के बीच सैन्य संघर्ष को देखते हुए विदेश मंत्रालय ने दोनों देशों में रहने वाले भारतीयों के लिए यहां और दूतावासों में नियंत्रण कक्ष बनाये हैं। विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि ईरान और इजरायल के बीच सैन्य संघर्ष को देखते हुए मंत्रालय में दिन रात काम करने वाला एक नियंत्रण कक्ष बनाया गया है। इस नियंत्रण कक्ष में टोल फ्री नम्बर 1800118797 और निम्न नम्बरों 91–11–23012113, 91–11–23014104, 91–11–23017905 और 91–9968291988 (व्हाटस्एप) पर संपर्क किया जा सकता है।इसके अलावा तेहरान में भारतीय दूतावास ने भी दिन रात काम करने वाली हेल्पलाइन शुरू की है। इस पर निम्न नम्बरों पर 98 9128109115, 98 9128109109 बात की जा सकती है। इसके अलावा 98 901044557, 98 9015993320, 91 8086871709 नम्बरों पर व्हाटस्एप किया जा सकता है। बंदर अब्बास में 98 9177699036 और जहेदान में 98 9396356649 नम्बर पर संपर्क किया जा सकता है।

ईडी के सामने फिर पेश नहीं हुए रॉबर्ट वाड्रा, मनी लॉन्ड्रिंग केस में होनी थी पूछताछ

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा के व्यवसायी पति रॉबर्ट वाड्रा ब्रिटेन स्थित हथियार सलाहकार संजय भंडारी से जुड़े धन शोधन मामले में प्रवर्तन निदेशालय के समक्ष दूसरी बार पेश नहीं हुए। आधिकारिक सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। 10 जून को पेश नहीं होने के बाद उन्हें मंगलवार (17 जून) को पेश होने के लिए कहा गया था। वाड्रा के करीबी सूत्रों ने बताया कि उन्होंने इस सप्ताह के लिए यूएई और ब्रिटेन की अपनी यात्रा योजना एजेंसी को पहले ही बता दी है और भारत वापस आने के बाद वह जांच में शामिल होंगे। उन्होंने 10 जून को जारी समन को यह कहते हुए टाल दिया कि 9 जून को उन्हें फ्लू जैसे लक्षण थे और उन्होंने प्रोटोकॉल के अनुसार कोविड टेस्ट कराया था।

सिद्धारमैया ने भाजपा पर 'लाशों पर राजनीति' करने का लगाया आरोप

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर हुई भगदड़ की घटना को लेकर विपक्षी भारतीय जनता पार्टी द्वारा उनके इस्तीफे की मांग पर तीखा पलटवार किया। उन्होंने मंगलवार को भाजपा पर 'लाशों पर राजनीति' करने तथा अतीत में इसी प्रकार की त्रासदियों के दौरान नैतिक जिम्मेदारी दिखाने में विफल रहने का भी आरोप लगाया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखे एक लंबे पोस्ट में सिद्धारमैया ने कहा, ''भगदड़ की घटना के लिए हमारा इस्तीफा मांगने से पहले, मैं कर्नाटक के भाजपा नेताओं से अपील करता हूं कि वे उन भाजपा मंत्रियों की सूची जारी करें, जिन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान इसी तरह की घटनाएं होने पर इस्तीफा दिया था।'' भगदड़ को दुर्भाग्यपूर्ण करार देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने तत्काल एवं जिम्मेदाराना कार्रवाई की, जिसमें बेंगलुरू पुलिस आयुक्त जैसे वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को निलंबित करना, राज्य खुफिया

विभाग के प्रमुख का तबादला करना और उनके राजनीतिक सचिव को सेवा से बर्खास्त करना शामिल है। सिद्धारमैया ने कहा कि इसके अलावा, घटना की गहन एवं निष्पक्ष जांच के लिए सेवानिवृत्त न्यायाधीश जॉन माइकल डीश्कुन्हा की अध्यक्षता में एक सदस्यीय आयोग का गठन किया गया। मुख्यमंत्री ने भाजपा के विरोध प्रदर्शन को राजनीति से प्रेरित बताते हुए कहा, ''लाशों पर राजनीति करना भाजपा के लिए कोई नई बात नहीं है। दुर्घटना, हत्या या अत्याचार होते ही लाशों की तलाश में गिद्धों की तरह झपट्टा मारना उनके खून में है। कर्नाटक के लोगों ने इस पुरानी प्रथा को समझ लिया है, जब उनकी अपनी मेज पर हाथी मरा पड़ा हो, तब भी वे दूसरे के मेज पर मरी हुई मक्खी की ओर इशारा करते हैं। भाजपा नीत सरकारों के अंतर्गत हुई पिछली घटनाओं से तुलना करते हुए सिद्धारमैया ने याद दिलाया कि 2002 के गुजरात दंगों के दौरान लगभग 2,000 लोगों की मौत हुई थी, फिर भी तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के आग्रह के बाद भी इस्तीफा नहीं दिया था। उन्होंने कहा, ''इस वर्ष अप्रैल में पहलगाम आतंकवादी हमले में 26 भारतीय मारे गए। हमने प्रधानमंत्री से इस्तीफा देने के लिए नहीं कहा।

दिल्ली सरकार के आरोग्य मंदिर पर आम आदमी पार्टी ने उठाए सवाल

नयी दिल्ली, एजेंसी। भाजपा की दिल्ली सरकार के आरोग्य मंदिर पर आम आदमी पार्टी ने सवाल उठाए है। आप का कहना है कि पुरानी डिस्पेंसरी को ही दिल्ली सरकार ने बदलकर आयुष्मान आरोग्य मंदिर कर दिया। आम आदमी पार्टी का कहना है यह वही पुरानी डिस्पेंसरी है जिसे केजरीवाल सरकार के समय में जनता की सुविधा के लिए बनाया गया था। आम आदमी पार्टी के नेता सौरभ भारद्वाज ने दिल्ली सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा है कि केजरीवाल सरकार द्वारा बनाये गए मोहल्ला क्लिनिक और डिस्पेंसरी पर नया पेंट करके उन्हें नया आयुष्मान आरोग्य मंदिर बताया जा रहा है। कहा जा रहा है भाजपा सरकार ने 31 आरोग्य मंदिर बनाये हैं। सौरभ भारद्वाज ने कहा है कि भाजपा सरकार रोज नए झूठ बोलने में कीर्तिमान बना रही है। 8 वर्ष पहले केजरीवाल सरकार द्वारा बनाई गई चिराग दिल्ली में स्थित वातानुकूलित डिस्पेंसरी पर आज भी 2017 में हुए उद्घाटन का पत्थर लगा हुआ है।

विजय रूपाणी की प्रार्थना सभा में शामिल हुए केजरीवाल

राजकीय सम्मान के साथ सोमवार को हुआ था अंतिम संस्कार

नई दिल्ली, एजेंसी। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल गुजरात के पूर्व सीएम विजय रूपाणी की प्रार्थना सभा में शामिल हुए और श्रद्धांजलि दी। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि एयर इंडिया विमान दुर्घटना में 240 से अधिक लोगों की मौत हो गई। यह बहुत दुखद दुर्घटना थी, विजय रूपाणी भी इसी विमान में यात्रा कर रहे थे और इस दुर्घटना में उनकी भी मृत्यु हो गई। मैं यहां उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करने आया हूं। मैंने उनकी पत्नी और परिवार के अन्य सदस्यों से मुलाकात की। मैं भगवान से विजय रूपाणी की आत्मा को शांति प्रदान करने की प्रार्थना करता हूं। एअर इंडिया विमान हादसे में

जान गवाने वाले गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी का सोमवार रात राजकोट में पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। रूपाणी के अंतिम संस्कार से पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह समेत कई नेताओं ने उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिवंगत नेता को उनके गृहनगर में अंतिम विदाई देने के लिए मार्ग पर हजारों लोग एकत्रित हुए। रूपाणी का अंतिम संस्कार पूरे राजकीय सम्मान के साथ श्मशान घाट पर किया गया और दिवंगत नेता के सम्मान में उन्हें 21 तोपों की सलामी दी गई। रूपाणी का पार्थिव शरीर फूलों से सजे वाहन में हवाई अड्डे से उनके घर और फिर श्मशान घाट तक ले जाया गया। यह यात्रा कई किलोमीटर लंबी थी और इस दौरान लोग सड़क के दोनों ओर खड़े होकर उन्हें अंतिम विदाई दे रहे थे। गुजरात सरकार ने पूर्व मुख्यमंत्री की स्मृति में सोमवार को एक दिवसीय राजकीय शोक की घोषणा की थी।

संस्थापित 2001
संस्थापक : स्वर्गीय कन्हैया लाल, स्वर्गीय श्रीमती साधना
हिन्दी दैनिक/हिन्दी साप्ताहिक
◆ संयम ◆ संस्कार ◆ संतुलन
शहर समता
प्रयागराज से प्रकाशित
संपादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
प्रबंध संपादक
अरविन्द पाण्डेय
पंजीकृत कार्यालय: 289/238A, कर्नलगंज, (अनन्त भवन) प्रयागराज- 211002
M.: 9005239332, 9450482227
E-mail: shaharsamta@gmail.com
Website: www.shaharsamta.com

एयरफोर्स इंजीनियर की हत्या की जांच फिर अटकी, पत्नी का दर्ज होना है वीडियो रिकॉर्डेड बयान

प्रयागराज। कमांडर वर्क इंजीनियर सत्येंद्र नारायण मिश्रा की हत्या की जांच फिर से अटक गई है। क्योंकि उनकी पत्नी का वीडियो बयान दर्ज नहीं हो सकता है। जिसकी वजह से जांच में समय लग रहा है। एयरफोर्स कैंपस में कमांडर वर्क इंजीनियर सत्येंद्र नारायण मिश्रा की हत्या के मामले में जांच फिर अटक गई है। दरअसल, उनकी पत्नी का वीडियो रिकॉर्डेड बयान न होने से

यह कार्रवाई अटकी पड़ी है। मौजूदा समय में उनकी पत्नी देश से बाहर हैं। ऐसे में अब उनके आने के बाद ही आगे की कार्रवाई होने की संभावना है। मुकदमे की ववेचना के दौरान इंजीनयर की पत्नी का बयान विवेचक ले चुके हैं। इसके अलावा मामले की जांच के लिए गठित एसआईटी (विशेष जांच दल) भी उनसे बात कर चुका है। हालांकि, उनका वीडियो रिकॉर्डेड बयान लिया जाना अभी बाकी है। दरअसल, इंजीनियर की हत्या की वह इकलौती चश्मदीद हैं। ऐसे में मामले से संबंधित हर जांच में उनका बयान बेहद अहम है। सूत्रों के मुताबिक वह कुछ दिनों पहले ही देश से बाहर गई हैं। तीन सदस्यीय एसआईटी की अध्यक्षता आईजी रेंज कर रहे हैं। इसमें अपर पुलिस आयुक्त व एसीपी धूमनगंज को भी शामिल किया गया है। 29 मार्च को हुए इस हत्याकांड के मामले में मुख्य आरोपी सौरभ पासी व साजिश में शामिल होने के आरोपी उसके माता–पिता व भाई जेल में हैं।

मशीनरी स्टोर में लगी आग, लाखों का नुकसान

प्रयागराज। अज्ञात कारण से मशीनरी स्टोर में लगी आग से दुकान का लाखों का सामान जलकर खाक हो गया। बाद में पहुंची फायर बिग्रेड ने किसी तरह से आग पर नियंत्रण पाया।

फरीदाबाद मोहल्ला निवासी विश्वनाथ प्रसाद केसरवानी की विश्वनाथ प्रसाद और आशीष कुमार नाम की मशीनरी की स्टोर है। सोमवार दोपहर बाद अज्ञात कारणों से दुकान में आग लग गई। इससे रोल पाइप, सेक्शन पाइप, सबमर्सिबल पंप व अन्य मशीनरी का सामान जलकर खाक हो गया। सूचना पर पहुंची दमकल के कर्मचारियों ने किसी तरह आग पर काबू पाया।

फसलों की बेहतर पैदावार के लिए ईष्ट देव को विशेष रोट चढ़ाई

प्रयागराज। इलाके में आषाढ़ माह की विशेष रोट चढ़ाने की परंपरा पूरे श्रद्धा भाव से प्रारंभ हो गई है। यह अनुष्ठान किसान और स्थानीय महिलाएं अपनी ईष्ट भगवान को रोट चढ़ाकर अच्छी फसल, समृद्धि एवं परिवार के कल्याण की कामना के साथ कर रही हैं। ग्रामीण तुलसीराम पटेल, त्रिलोकी नाथ, भगवती प्रसाद, रामकिशुन यादव, राजबहादुर, सुनील कुमार और राजबली आदि काश्तकारों का मानना है कि यह परंपरा न केवल उनकी फसलों को कीटों और बीमारियों से बचाती है, बल्कि आने वाले मानसून में अच्छी बारिश और बंपर पैदावार भी सुनिश्चित करती है। ज्योतिषाचार्य व पुरोहित पं. जगमोहन पांडेय ने बताया कि आषाढ़ माह का विशेष महत्व है, क्योंकि इसी दौरान किसान अपनी खरीफ फसलों की बोआई करते हैं। इसी प्रकार महिलाएं भी रोट चढ़ाकर परिवार की खुशहाली और खेतों में हरी–भरी फसल की प्रार्थना कर रही हैं।

पुलिया पर अंधा मोड़ को लेकर ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

प्रयागराज। ड्रमंडगंज नेशनल हाईवे 35सी मार्ग पर बढ़वारी कला गांव में बेलन नहर पर स्थित पुलिया मौत का कारण बन गई है। शनिवार को हाईवे की पुलिया से कार नीचे नहर में गिर गई थी। सोमवार की सुबह अंधे मोड़ पर एक लोड ट्रक हाईवे की पुलिया से नहर में गिर गई। इसे लेकर ग्रामीणों ने विरोध–प्रदर्शन किया। सूचना पर तहसीलदार विनोद बरनवाल, नायब तहसीलदार राम मूरत व चौकी प्रभारी रामगढ़ मौके पर पहुंचे तो ग्रामीण आक्रोशित हो गए। ग्रामीणों का आरोप था कि हर तीसरे दिन हाईवे पर स्थित पुलिस के टर्निंग पर हादसे हो रहे हैं। ग्रामीण एनएच हाईवे के एक्सईएन के आने की जिद पर अड़े रहे। दोपहर बाद एनएच विभाग के सहायक अभियंता विशाल कुमार जैसे ही पहुंचे ग्रामीणों का आक्रोश और बढ़ गया। समाजवादी पार्टी छात्र सभा के राष्ट्रीय सचिव प्रमोद मिश्र व अन्य ग्रामीणों ने अधिकारियों को खरी खोटी भी सुनाई। हालांकि तहसीलदार विनोद बरनवाल ने मामले को शांत कर दिया।

हादसे में बाइक सवार घायल, जिला अस्पताल रेफर

प्रयागराज। इब्राहिमपुर गांव में ट्रक की टक्कर से बाइक सवार घायल हो गया। उसे सीएचसी कौड़िहार के बाद जिला

अस्पताल भेज दिया गया। ब्रह्मदेव निवासी कलंदरपुर थाना सोरांव कौशाम्बी में प्राइवेट नौकरी करते हैं। सोमवार की दोपहम्वह बाइक से ड्यूटी जाने के लिए निकले थे। जैसे ही वह इब्राहिमपुर गांव के सामने पहुंचे अज्ञात ट्रक चालक ने टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार घायल हो गया।

चोरी की नियत से घर में घुसे चोरों ने की मारपीट

प्रयागराज। चोरी की नियत से घर में घुसे चोरों ने मारपीट की। आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया। फाफामऊ क्षेत्र के लकी शुक्रवार को अपने परिवार के साथ रिश्तेदार के घर निमंत्रण में शामिल होने गया था। रात में कुछ लोग उसके घर में घुस गए। आहट होने पर लकी का भाई गोविन्द प्रसाद मौके पर पहुंच गया। इस दौरान आरोपियों ने गोविन्द प्रसाद की पिटाई कर दी, जिससे वह बेहोश हो गया।

चौराहों पर छांव न पानी, बहुत कठिन है श्रमिकों की जिंदगानी

प्रयागराज। भवन निर्माण एवं अन्य कार्यों में लगे श्रमिकों का जीवन झंझवातों में फंसा रहता है, कभी काम न मिलने की समस्या तो कहीं का मेहनताना न मिलने जैसी परेशानियों से इन्हें रोज दो चार होना पड़ता है। इन सबके बीच जहां काम के इंतजार में घंटों बिताते हैं उस लेबर चौराहों पर न तो छांव मिलती है और न ही प्यास बुझाने को पानी। अगर बात करें शहर के प्रमुख लेबर चौराहों की तो रामबाग में श्रमिकों के लिए कोई नागरिक सुविधा नहीं दिखती। दूरदराज से आए मजदूर तमाम कठिनाइयों के बीच यहां काम मिलने के इंतजार में घंटों खड़े रहते हैं।

श्रमिकों के ठहरने–बैठने के लिए शेड आदि की व्यवस्था न होने के कारण इस तपती गर्मी में खुले आकाश के नीचे दिन बीतता है। अधिकांश मजदूरों के न तो श्रमिक कार्ड बने हैं न ही इन्हें अपने अधिकारों और सरकारी योजनाओं की कोई जानकारी है। श्रमिकों की परेशानी जाननी चाही तो अधिकतर अपनी गरीबी, किस्मत और व्यवस्था को कोसते नजर आए। रामबाग लेबर चौराहा शहर में भवन निर्माण श्रमिकों का प्रमुख केंद्र माना जाता है, जहां दूर–दूर से मेहनतकश काम की तलाश में आकर सड़क किनारे बैठे रहते हैं। कोई दुपहिया या चार पहिया वाहन जैसे ही चौराहे पर रुकता है तो काम की उम्मीद में मजदूरों का झुंड उसे घेर लेता है। कुछ को काम मिल जाता है तो अधिकतर मायूस होकर काम के इंतजार में पूरे दिन सड़क किनारे बैठे रहते हैं। गर्मी, बारिश और ठंड के मौसम भी इन्हें सड़क पर गुजारने पड़ते हैं। इस लेबर चौराहे पर श्रमिकों की सबसे बड़ी समस्या कहीं शेड का न होना है। शेड के अभाव में मजदूर खुले आसमान के नीचे धूप में घंटों खड़े रहते हैं। छांव के लिए किसी घर या दुकान के बाहर बैठते हैं तो लोग पानी डालकर भगा देते हैं। इन मजदूरों ऐसे लोगों की भी बड़ी तादात है जिन्हें घर छोड़े कई दिन हो चुके हैं। दिनभर कठिन श्रम के बाद खुले आसमान के नीचे सड़क के डिवाइडरों पर सोना इनकी मजबूरी है। मजदूरों को इस बात का बेहद मलाल है

कि सरकार उनके बारे में कुछ नहीं सोचती। लेबर चौराहे पर मजदूरों के पेयजल की कोई व्यवस्था नहीं है। मजदूर या तो पानी खरीद कर पीएं या किसी नल से बोतलों में पानी भर कर ले आते हैं। रोज खाने कमाने वाला यह तबका पानी खरीद कर नहीं पी सकता लिहाजा पानी के लिए परेशान रहता है। इनके लिए निशुल्क सार्वजनिक प्रसाधन का भी कोई इंतजाम नहीं है। रैन बसेरों में इन्हें जगह नहीं मिलती, पैसा मांगा जाता है जो यह दे नहीं पाते। मजबूरी में रात सड़क के डिवाइडर पर बिताने के बाद सुबह नित्यक्रिया के लिए पैसा खर्च करना इन्हें भारी पड़ता है। कुछ अल सुबह उठकर रेलवे लाइन के किनारे दैनिक क्रिया के लिए चले जाते हैं और नहाने के लिए रेलवे स्टेशन का रुख करते हैं लेकिन वहां से भी भगाए जाते हैं। रोजी रोटी के लिए घर छोड़कर निकला यह तबका चाहता है कि इनके बैठने के लिए स्थान हो जहां बेंच आदि लगी हो। बारिश, धूप और ठंड से बचाव के लिए शेड की व्यवस्था हो, पेयजल और शौचालय की निशुल्क व्यवस्था की जाए तो इनके जीवन की परेशानियां कुछ कम हो सकेंगी। महिला कामगारों को होती है परेशानी यहां बड़ी संख्या में महिलाएं भी मजदूरी की तलाश में चौराहे पर सड़क के किनारे खड़ी रहती हैं। इनके बैठने की कोई व्यवस्था है और न ही प्रसाधन आदि की सुविधा, जिससे इन्हें काफी परेशानी होती है। महिला श्रमिकों को काम भी कम मिलता है और लोग इन्हें पुरुष कामगारों की तुलना में कम मजदूरी देना चाहते हैं। महिला कामगारों में कुछ कुपोषण की शिकार हैं तो कुछ बीमारी से परेशान हैं। इनके चिकित्सकीय परीक्षण के लिए भी मेडिकल कैम्प नहीं लगते। कुछ महिला श्रमिकों के श्रमिक कार्ड भी बने हैं लेकिन उनका कहना था कि उन्हें इसका कोई लाभ नहीं मिलता। श्रमिक चाहते हैं कार्ड के लिए लेबर चौराहे पर लगे शिविर काम की तलाश में सड़क किनारे दिन बिताने वाले अधिकतर मजदूरों के श्रमिक कार्ड भी नहीं बन सके हैं जिससे वह सरकारी योजनाओं से वंचित हैं। अधिकतर लोगों को तो सरकारी योजनाओं, श्रम कानूनों और अपने अधिकारों के बारे में पता भी नहीं है। इन लोगों को बस इतना पता है कि श्रम विभाग द्वारा कार्ड बनाया जाता है। मजदूरों का पूरा समय काम की तलाश, हाड़तोड़ मेहनत और किसी तरह दिन गुजारने में बीत जाता है ऐसे में वह कार्ड के बारे में सिर्फ सोचकर रह जाते हैं। श्रमिकों का कहना है कि अगर लेबर चौराहे पर शिविर लगाकर श्रमिकों के कार्ड बनाए जाएं तो काफी लोगों को इस लाभ मिल सकेगा । सस्ते दर पर भोजन की नहीं है व्यवस्था गरीब और जरूरतमंदों को सस्ते दर पर भोजन की व्यवस्था के लिए कई योजनाएं चल रही हैं जहां जरूरतमंदों को दस रुपये में भोजन की व्यवस्था है लेकिन मजदूर तबका जिन्हें इसकी बेहद जरूरत है वह इस सुविधा से वंचित हैं। लेबर चौराहे के आसपास कहीं इस प्रकार की रसोई संचालित नहीं हो रही है जहां मजदूर सस्ते दर पर भोजन कर सकें। मजदूर ईंट के चूल्हे पर किसी तरह रोटी पकाते हैं और अपने पेट की आग बुझाते हैं। अगर इन्हें सस्ते दर पर भोजन की व्यवस्था हो तो इन्हें काफी राहत मिल सकती है। शिकायतें –श्रमिकों के बैठने के लिए स्थान नहीं है, सड़क के किनारे खड़े रहते हैं। –लेबर चौराहे पर निरूशुल्क पेयजल की व्यवस्था न होने के कारण परेशान रहते हैं। –निरूशुल्क शौचालय व स्नानगृह की व्यवस्था नहीं है, इसके लिए कीमत चुकानी पड़ती है। –मजदूरों के लिए सस्ते दर पर भोजन मिल सके ऐसी कोई व्यवस्था नहीं की गई है। –महिला कामगारों के लिए निरूशुल्क प्रसाधन नहीं है, उन्हें इसके लिए पैसे देने पड़ते हैं। समाधान –श्रमिकों के बैठने के लिए शेड, चबूतरे बने, बेंच आदि लगाई जाएं। –चौराहे के आसपास निशुल्क पेयजल की व्यवस्था की जाए। –लेबर चौराहे के आसपास निशुल्क शौचालय एवं स्नानगृह की व्यवस्था हो । – मजदूरों को सस्ते दर पर भोजन की थाली उपब्लध हो इसके लिए रसोई चलाई जाए। –महिला कामगारों के लिए निशुल्क महिला प्रसाधन की व्यवस्था की जाए। बोले प्रयागराज रू हमारी भी सुनें हम लोगों के बैठने की भी कोई जगह नहीं है, किसी दुकान या घर के सामने बैठ जाते हैं तो लोग पानी डालकर भगाने लगते हैं। मजदूरों के बैठने के लिए चबूतरा बनना चाहिए जहां वह बैठ सकें। बेंच व शेड आदि लग जाए तो हमें धूप और बारिश से काफी राहत मिले।–संतोष कुमार कभी–कभी तो पूरा दिन काम की तलाश में खड़े रहना पड़ता है, काम मिल गया तो ठीक वरना दिन सड़क पर ही बीतता है। अगर मजदूरों के लिए शेड बना हो तो हम वहां छांव में बैठ सकते हैं। गर्मी, बारिश और भीषण ठंड में भी हम खुले आसमान के नीचे खड़े रहते हैं।–अमर सिंह कुछ वर्ष पूर्व श्रमिक कार्ड बनवाया था लेकिन उससे क्या–क्या लाभ मिल सकता है इसकी जानकारी नहीं है। हम तो बस इतना चाहते हैं कि बैठने के लिए स्थान मिल जाए, जहां पानी व शौचालय आदि की व्यवस्था हो तो हम लोगों को काफी सहूलियत हो जाए।–विकास हम दूर–दूर से काम की तलाश में यहां आते हैं, हमारे लिए समुचित व्यवस्था की जाए तो उन्हे इतनी परेशानी न उठानी पड़े। रामबाग लेबर चौराहे के आसपास न तो कहीं निशुल्क पानी की व्यवस्था है, न ही शौचालय की। हमें इसके लिए पैसा देना पड़ता है जो भारी पड़ता है।–रत्नेश कुमार लेबर चौराहे के पास हमारे लिए शिविर लगाकर लेबर कार्ड एवं हेल्थ कार्ड बनाने चाहिए जिससे हम गरीब सरकारी योजना का लाभ उठा सकें। हमारे लिए सभी बुनियादी सुविधाएं लेबर चौराहे पर हो जाएं ताकि मजदूर पेयजल, शौचालय जैसी जरूरी सुविधाओं के लिए परेशान न हों।– शंकरलाल हम रात में सड़क किनारे डिवाइडरों पर खुले आसमान के नीचे सोते हैं। अगर यहां शेड बना होता तो क्यों कोई रात में जोखिम उठाकर सड़क पर सोएगा। दिन में भी हमकों धूप में सड़क पर खड़े होकर काम की तलाश करनी पड़ती है। कहीं शेड भी नहीं बना है।– लक्ष्मण यादव यहां चौराहे पर पीने का पानी कहीं नहीं मिलता। शेड भी नहीं लगा है जिससे हम गर्मी हो या जाड़ा यहीं खड़े रहते हैं। शौचालय और स्नानगृह भी निशुल्क होना चाहिए। हम लोगों को बैठने की जगह और पीने का पानी मिल जाए तो काफी राहत होगी।– सुनील दुबे

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने वाराणसी के अपहरण मामले में डीजीपी से मांगा हलफनामा, 9 जुलाई को होगी अगली सुनवाई

प्रयागराज। खंडपीठ ने कहा कि याची का भाई 31 मार्च 2025 से लापता है, जिसके अपहरण की आशंका की एफआईआर दर्ज कराई गई है। इस न्यायालय में चार जून को सुनवाई हुई तो सात जून को अपहृत की तलाश के लिए पुलिस जांच दल गठित किया गया। लेकिन, आज तक पुलिस जांच दल ने कोई प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं की है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने वाराणसी निवासी नितेश कुमार के अपहृत भाई का पता लगाने में पुलिस टीम के नाकाम रहने पर पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) से हलफनामा मांगा है। अगली सुनवाई नौ जुलाई को होगी। यह आदेश न्यायमूर्ति सिद्धार्थ वर्मा और न्यायमूर्ति हरवीर सिंह की खंडपीठ ने दिया। खंडपीठ ने कहा कि

याची का भाई 31 मार्च 2025 से लापता है, जिसके अपहरण की आशंका की एफआईआर दर्ज कराई गई है। इस न्यायालय में चार जून को सुनवाई हुई तो सात जून को अपहृत की तलाश के लिए पुलिस जांच दल गठित किया गया। लेकिन, आज तक पुलिस जांच दल ने कोई प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं की है।

चार जुलाई को इसी मामले में न्यायमूर्ति जेजे मुनीर व अनिल कुमार (दशम) की खंडपीठ ने अपहरण से जुड़े मामलों में पुलिस की उदासीनता पर चिंता व्यक्त की थी।

कहा था कि समय पर पता न लगने के कारण यदि अपहृत व्यक्ति की हत्या हो जाती है तो प्रथम दृष्टया उस पुलिस विभाग के प्रमुख पर जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए, जिसके अधिकार क्षेत्र में अपहरण की रिपोर्ट की गई थी। वाराणसी के पुलिस आयुक्त व अन्य पुलिस अफसरों से हलफनामा मांगा गया था।

विभूति एक्सप्रेस को भी प्रयागराज जंक्शन शिफ्ट करने की तैयारी, एलएचबी रेक से लैस होनी है ट्रेन

प्रयागराज। प्रयागराज रामबाग– हावड़ा विभूति एक्सप्रेस को भी प्रयागराज जंक्शन शिफ्ट किए जाने की तैयारी शुरू हो गई है। विभूति एक्सप्रेस को एलएचबी (लिंक हॉफमैन बुश) रेक से लैस किया जाना है। प्रयागराज रामबाग–हावड़ा विभूति एक्सप्रेस को भी प्रयागराज जंक्शन शिफ्ट किए जाने की तैयारी शुरू हो गई है। विभूति एक्सप्रेस को एलएचबी (लिंक हॉफमैन बुश) रेक से लैस किया जाना है, लेकिन रामबाग स्टेशन पर प्लेटफार्म की लंबाई कम होने की वजह से यह ट्रेन अब प्रयागराज जंक्शन शिफ्ट होगी। ताकि ट्रेन को एलएचबी रेक से लैस किया जा सके।

बता दें कि गाड़ी संख्या 12333/12334 विभूति एक्सप्रेस का संचालन प्रयागराज रामबाग से हावड़ा के बीच होता है। वर्तमान में यह ट्रेन पुराने आईसीएफ कोच के साथ

संचालित हो रही है। अभी इसमें कुल 19 कोच है। ट्रेन में रेलवे द्वारा एलएचबी रेक लगाया जाना है। एलएचबी रेक लगने के बाद इसमें कुल कोच की संख्या 22 हो जाएगी। प्रयागराज रामबाग स्टेशन की बात करें तो यहां विभूति एक्सप्रेस का आवागमन प्लेटफार्म नंबर एक से ही होता है। प्लेटफार्म की लंबाई कम होने के चलते 22 कोच का एलएचबी रेक इसमें नहीं आ सकता। इसी वजह से इस ट्रेन को प्रयागराज जंक्शन शिफ्ट किए जाने की तैयारी की जा रही है। बता दें प्रयागराज रामबाग–मुजफ्फरपुर बापूधाम एक्सप्रेस भी प्रयागराज जंक्शन शिफ्ट की जानी है। इसका बोर्ड की ओर से नोटिफिकेशन भी जारी हो गया है। पहले बापूधाम एक्सप्रेस ही प्रयागराज जंक्शन पर शिफ्ट होगी। उसके बाद विभूति को शिफ्ट किया जाएगा। इस बारे में पूर्वोत्तर रेलवे के पीआरओ अशोक कुमार का कहना है कि आने वाले दिनों में विभूति को एलएचबी रेक मिलेगा। इसके नोटिफिकेशन का इंतजार किया जा रहा है।

विश्व की चौथी अर्थव्यवस्था बनकर उभरा है देश : पवन शुक्ला

प्रयागराज। भाजपा की ओर से शक्ति केंद्र चिरौड़ा व खोदायपुर में चौपाल लगाकर लोगों से संवाद किया गया। मुख्य अतिथि महामंत्री पवन कुमार शुक्ला ने कहा कि आजादी के बाद नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत तेजी के साथ विकास कर रहा है। आज देश विश्व की चौथी अर्थव्यवस्था बनकर उभरा है। रक्षा के क्षेत्र में भारत अग्रणी भूमिका में है। आधुनिक हथियार के साथ–साथ विश्व पटल पर भारत की एक अलग ही पहचान बनी है। मौके पर मंडल अध्यक्ष पुष्कर सिंह पटेल, डॉ. राजेंद्र वर्मा, राजेश चौरसिया, मूल चन्द्र पाल, रमेश कुमार, सूर्यमणि पांडेय, सुनील पटेल और दीना नाथ पटेल आदि मौजूद रहे।

आगामी 14 दिनों में जारी होंगे एसएससी की चार नई भर्तियों के विज्ञापन, सात अन्य परीक्षाओं की तैयारी

प्रयागराज। सरकारी भर्ती परीक्षा की तैयारी करने वाले छात्रों के लिए आने वाले 14 दिनों में कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) की ओर से चार नई भर्तियों का विज्ञापन जारी होगा। वहीं, आगामी तीन महीने में सात नई भर्तियों की परीक्षा भी आयोजित की जाएगी। सरकारी भर्ती परीक्षा की तैयारी करने वाले छात्रों के लिए आने वाले 14 दिनों में कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) की ओर से चार नई भर्तियों का विज्ञापन जारी होगा। वहीं, आगामी तीन महीने में सात नई भर्तियों की परीक्षा भी आयोजित की जाएगी। एसएससी की ओर से जारी भर्ती परीक्षा के कैलेंडर के अनुसार जून माह में चार नई भर्तियों के विज्ञापन जारी होंगे। इसी सप्ताह दिल्ली पुलिस और केंद्रीय सशस्त्र बलों में सब इंस्पेक्टर की भर्ती का विज्ञापन जारी हो सकता है, जिसके लिए ऑनलाइन आवेदन सात जुलाई तक होंगे। 23 जून को सीएचएसएल (10+2) की भर्ती का विज्ञापन जारी होगा। भर्ती के लिए अभ्यर्थियों को ऑनलाइन आवेदन के लिए 18 जुलाई तक का समय मिलेगा। जून माह में ही 26 तारीख को मल्टीटास्किंग स्टाफ (नॉन–टेक्निकल) और हवलदार के पदों पर भर्ती का विज्ञापन जारी होगा। 24 जुलाई तक इसके आवेदन लिए जाएंगे। वहीं, 30 जून को जूनियर इंजीनियर (सिविल, मैकेनिकल और इलेक्ट्रिकल) की भर्ती का विज्ञापन जारी होगा, 21 जुलाई तक इसके ऑनलाइन आवेदन लिए जाएंगे। इस भर्ती की ऑनलाइन कंप्यूटर आधारित (सीबीटी मोड) परीक्षा 27 अक्तूबर से 31 अक्तूबर के मध्य प्रस्तावित है। आने वाले तीन महीनों में सात भर्तियों की ऑनलाइन कंप्यूटर आधारित परीक्षा भी प्रस्तावित है। इनमें 24 जुलाई से चार अगस्त के बीच सेलेक्शन पोस्ट फेस 13 की परीक्षा, छह अगस्त से 11 अगस्त के बीच स्टोनोग्राफर ग्रेड सी और डी, 12 अगस्त को कंबाइंड हिंदी ट्रांसलेटर, 13 अगस्त से 30 अगस्त तक सीजीएल, एक सितंबर से छह सितंबर के बीच सब इंस्पेक्टर दिल्ली पुलिस और सशस्त्र पुलिस बल, आठ से 18 सितंबर के बीच सीएचएसएल और 20 सितंबर से 24 अक्तूबर के बीच मल्टीटॉस्किंग स्टाफ भर्ती की परीक्षा प्रस्तावित है।

नैनी–घूरपुर–आधी रात टावर से टूटकर गिरा हाई वोल्टेज तार

प्रयागराज। घूरपुर थाना क्षेत्र के बिगहिया गांव में रविवार की आधी रात एक बड़ा हादसा होते–होते टल गया। यहां यूपीपीसीएल की 432000 वोल्ट की हाई वोल्टेज तार स्पार्क होकर टावर से टूटकर गिर गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कई घंटे तक पहरेदारी कर लोगों को उधर जाने से रोका गया।

कॉरिडोर के लिए ब्रजवासी देंगे हर घर से एक ईंट

मथुरा। मिशन शक्ति समूह के बैनर तले हर घर से एक ईंट अभियान का शुभारंभ समस्त महिलाओं के साथ जिलाधिकारी को पांच ईंट राधा नाम की भेंट की गई। महिलाओं ने जिलाधिकारी से आग्रह किया क्योंकि महानगर में एक स्थल ऐसा सुनिश्चित किया

जाए जहां मिशन शक्ति समूह के आहवान पर लोग राधारानी का नाम अंकित करके एक ईंट के रूप में कॉरिडोर के लिए अपनी भावनाएं और समर्थन समर्पित कर सकें। समर्थन पत्र सौंपने वालों में मिशन शक्ति समूह की सुमन शर्मा, भावना शर्मा, लोक गायिका शालिनी शर्मा, प्रीति वर्मा , सुजाता सिंह, रीता चौधरी, सपना चौधरी, गंगा रानी चतुर्वेदी, प्रीती चतुर्वेदी, मीना गुप्ता, मधुबाला शर्मा, रिचा अग्रवाल, मीना शर्मा, सरोज गोला, आयरन लेडी शालिनी अग्रवाल आदि थीं।

पंचायती राज मंत्री से वायदा निभाने की मांग

वार्षिक समीक्षा बैठक में कई मुद्दो पर विस्तार से चर्चा

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश पंचायती राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष बसंतलाल गौतम एवं महामंत्री रामेंद्र श्रीवास्तव की उपस्थिति में वार्षिक समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। अन्तर्राष्ट्रीय बौद्ध संस्थान गोमतीनगर आयोजित बैठक में कई अहम निर्णय लिये गए। बैठक में निदेशालय पर आयोजित स्वच्छता समारोह के दौरान पंचायती राज मंत्री ओमप्रकाश राजभर द्वारा किए गए वायदे पूरे करने की मांग की गई। बैठक में बताया गया कि 20 दिसम्बर 24 को विभागीय मंत्री ने सेवा नियमावली, पदोन्नति एवं पदनाम परिवर्तन कराने का वायदा किया था। अब उस वायदे को छह माह बीत रहे है लेकिन आदेश अब तक जारी नही किए गए। वार्षिक समीक्षा बैठक में पंचायती राज सफाई कर्मियों ने ईरिक्शा चलवाये जाने का पुरजोर विरोध किया। बैठक में पन्नी बीनने तथा प्रति माह दस किलो पन्नी जमा करने का भी विरोध किया गया। पूर्व अध्यक्ष क्रांति सिंह द्वारा अगल संघ बनाये जाने पर उन्हें संघ से निष्कासित करने का निर्णय पूरे सदन द्वारा लिया गया। सदन ने पुरानी पेंशन बहाली के हर आन्दोलन में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित रखने पर जोर दिया। बैठक मेंसफाई कर्मचारियों को ऑनलाइन हाजिरी से मुक्त रखने की मॉग रखी गई। बैठक को डीडी चौहान प्रदेश संगठन मंत्री, अयोध्या प्रसाद यादव प्रदेश सम्प्रेक्षक, राघवेन्द्र तिवारी, परमहंस गौतम, मुकेश मल्होत्रा, रमेश भारती, संदीप भारतीय, रवि मौर्य, रामलाल अध्यक्ष बरेली, प्रदुम्न सिंह, सुलेख चंद आदि ने सम्बोधित किया।

देशहित में जातीय जनगणना का कार्य अब समय पर और ईमानदारीपूर्वक पूरा होना चाहिए : मायावती

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कहा कि जनकल्याण से सीधे तौर पर जुड़ा जातीय गणना के साथ जनगणना का कार्य देशहित में अब समय पर और ईमानदारीपूर्वक पूरा होना चाहिए। बसपा प्रमुख ने सोशल मीडिया मंच 'एक्सए पर लंबी–चौड़ी अपनी प्रतिक्रिया दी है। मायावती ने कहा,"भाजपा ने केंद्र में अपने 11 वर्षों के कार्यकाल के बारे में जो अपार उपलब्धियां वर्णित की हैं, वे जमीनी स्तर पर हकीकत में लोगों की गरीबी,

बेरोजगारी, दुख–दर्द आदि दूर करने अर्थात् जनहित व देशहित में कितनी लाभदायक रही हैं, सही समय आने पर जनता खुद जवाब दे देगी, इसकी पूरी उम्मीद है। मायावती ने कहा,"देश में राष्ट्रीय व जातीय जनगणना का कार्य कांग्रेस के समय से ही अटका पड़ा था, लेकिन काफी आवाज उठाने के बाद अब इस मामले में प्रक्रिया शुरू हुई है। जनकल्याण से सीधे तौर पर जुड़ा जनगणना का यह कार्य देशहित में अब समय पर और ईमानदारीपूर्वक पूरा होना चाहिए। केंद्र इस पर ध्यान दे। मायावती ने कहा कि इन मामलों में पार्टी के लोगों को सही तथ्यों से अवगत कराने व उन्हें सजग करने के साथ ही पार्टी के संगठन से संबंधित कार्यों की समीक्षा की जा रही है। मायावती ने कहा कि उत्तर प्रदेश सहित अन्य राज्यों में छोटी–छोटी बैठकों के जरिये विचार–विमर्श लगातार जारी है और पार्टी हित में इन मामलों पर पूरा ध्यान देना जरूरी है। उन्होंने कहा कि बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर भी तैयारी जारी है ताकि बेहतर परिणाम मिल सके।

बीएड प्रवेश परीक्षा का रिजल्ट जारी, मिर्जापुर के सूरज कुमार पटेल बने टॉपर

लखनऊ, संवाददाता। बुंदेलखंड विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित बीएड प्रवेश परीक्षा 2025 का परिणाम विश्वविद्यालय ने घोषित कर दिया है। मिर्जापुर के सूरज कुमार पटेल इस परीक्षा टॉपर बन गए हैं। जिन्होंने साइंस स्ट्रीम से 362.66 अंक हासिल किए हैं। दूसरे स्थान पर रहीं भदोही की शीबा परवीन, तीसरे स्थान पर जौनपुर की शिवांगी यादव रहीं। यूपी बीएड जेईई एक एंट्रेंस एग्जाम है, जिसके जरिए उत्तर प्रदेश के विभिन्न कॉलेजों में बैचलर ऑफ एजुकेशन (बी.एड) प्रोग्राम में प्रवेश दिया जाता है। परिणाम घोषित होने के बाद काउंसलिंग प्रक्रिया शुरू होगी, जिसका शेड्यूल बुंदेलखंड यूनिवर्सिटी द्वारा जारी किया जाएगा। काउंसलिंग के दौरान उम्मीदवार की रैंक, श्रेणी, सीटों की उपलब्धता और उनकी प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुए कॉलेजों का आवंटन किया जाएगा। एडमिशन केवल उन्हीं कॉलेजों में मिलेगा जो इस परीक्षा से संबद्ध हैं। आप को बता दें कि बीएड प्रवेश परीक्षा 2025 का आयोजन 1 जून को करवाया गया था जिसमें 3.5 लाख स्टूडेंट्स ने भाग लिया था। इस परीक्षा में दो पेपर हुए थे। हर पेपर में 100 बहुविकल्पीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न थे। इस तरह, कुल 200 प्रश्न पूछे जाते हैं। हर गलत उत्तर के लिए कुल अंक में से 1⁄3 अंक की कटौती की गई थी। फिलहाल उम्मीदवार को रैंक और श्रेणी के हिसाब से काउंसलिंग जल्द ही विश्वविद्यालय बुलाएगा।

स्लम बच्चों के कल्याण हेतु महकने दो बाल पुस्तकालय का हुआ भव्य उद्घाटन

प्रयागराज। कहते हैं, किताबें हमारी सबसे अच्छी दोस्त होती हैं। लेकिन, अच्छी किताबें सबकी किस्मत में नहीं। बच्चों को अच्छा बाल साहित्य उपलब्ध करवाने के संकल्प के साथ आज विशाल संकल्प संस्था ने हर्षवर्धन नगर बरगद घाट के पास महकने दो बाल पुस्तकालय का उद्घाटन, मुख्य अतिथि पद्मश्री डॉ श्याम बिहारी अग्रवाल ने किया। वो इस प्रयास से बहुत खुश थे। उन्होंने कहा बाल पुस्तकालय मेरा भी सपना था। अच्छी पुस्तकों का कोई विकल्प नहीं।

संस्थापक डॉ अंजलि केसरी ने बताया कि तीन साल पहले ही स्लम में बाल पुस्तकालय खोला था। उसी दिशा में ये एक स्थायी कदम है। भविष्य में वंचित बच्चों को पाठ्य पुस्तक भी उपलब्ध करवाई जायेगी। जिन हाथों में मोबाइल नहीं है, उन हाथों में किताब एक अच्छा विकल्प है। विशिष्ट अतिथि अजामिल व्यास ने भी इस प्रयास की खूब सराहना की और इसे मोबाइल का अच्छा विकल्प बताया।

विशिष्ट अतिथि अकादमी कलाकार रवींद्र कुशवाहा ने

बालोपयोगी साहित्य की आवश्यकता पर बल दिया और कहा कि यदि हम पढ़े तो बच्चे भी पढ़ेंगे। अतिथि कमलाकांत ने भी संस्था के इस रचनात्मक कार्य की सराहना की। डॉ बी के कश्यप ने शहर के अन्य लोगो को सेवा प्रकल्प से जुड़ने को कहा। सिद्धांतों की गुल्लक में, कुछ नये ज्ञान के सिक्के संजोने की कोशिश में विशाल संकल्प संस्था, बाल पुस्कालय की स्थापना कर रही है। जिसमें राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय बाल साहित्य जुटाने का प्रयास किया जायेगा। साथ ही वन्चित् बच्चों के लिए पाठ्य पुस्तक भी उपलब्ध होगी। सर्वप्रथम सभी अतिथियों का माल्यार्पण तथा अंगवस्त्र से भव्य स्वागत हुआ। अंत में डॉ अंजली केसरी ने सभी अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में सुमित गुप्ता, अश्वनी कत्यायन, रामबाबू,अंकुर, मोहित, राजेश आदि गणमान्य उपस्थित थे।

नाजरेथ अस्पताल में रक्तदान शिविर का आयोजन

प्रयागराज। नाजरेथ अस्पताल, प्रयागराज ने इलाहाबाद मेडिकल एसोसिएशन (इ।) के सहयोग से एक दिवसीय रक्तदान शिविर का सफल आयोजन किया। यह शिविर अस्पताल परिसर में 16 जून को प्रातः 9रू00 बजे से अपराह्न 2रू00 बजे तक आयोजित किया गया। शिविर का उद्घाटन दीप प्रज्वलन के साथ हुआ जिसमें मुख्य अतिथि फादर वाल्टर डि सिल्वा, सेंट जोसेफ कालेज के प्रधानाचार्य व विशिष्ट अतिथि डॉक्टर अशोक अग्रवाल चेयरमैन एएमए तथा कई अन्य अतिथियों ने सहभागिता दर्ज की।

इस अवसर पर नाजरेथ अस्पताल डाक्टर्स, नर्सस व कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और मानव सेवा की इस पुण्य कार्य में अपने रक्तदान से योगदान दिया। मेट्रन सिस्टर मोल्सी, सहायक निदेशक फादर मेल्विन, फादर जोएल, फादर बाबू, डा. ओमर हसन, डा. एस के सिंह, डा. निशांत निगम, डा

मीतू अग्रवाल, डा. वृन्दा, डा. आर के सिंह, डा. सचिन, सेंट जोसेफ कालेज के प्रधानाचार्य फादर वाल्टर व सेंट अन्थोनी कालेज की प्रधानाचार्य सिस्टर बेसी ने भी रक्तदान कर सबको प्रेरित किया।

रक्तदान शिविर का उद्देश्य लोगों को रक्तदान के प्रति जागरूक करना और जरूरतमंद मरीजों के लिए सुरक्षित रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करना था। अस्पताल प्रशासन ने बताया कि एक यूनिट रक्त तीन लोगों की जान बचा सकता है, और यह निःशुल्क, सुरक्षित तथा शरीर के लिए लाभदायक भी होता है।

इस अवसर पर नाजरेथ अस्पताल के निदेशक फादर विपिन डि सोजा ने सभी रक्तदाताओं और आयोजन टीम का आभार व्यक्त किया और कहा कि भविष्य में भी ऐसे आयोजन होते रहेंगे।

शिविर में युवाओं की बड़ी संख्या में भागीदारी ने विशेष उत्साह पैदा किया। रक्तदान शिविर में लगभग 100 यूनिट रक्त एकत्र किया गया, जिसे विभिन्न जरूरतमंद मरीजों की सहायता के लिए सुरक्षित रूप से संग्रहीत किया जाएगा।

जुबैदा वोकेशनल ट्रेनिंग सेंटर में समर कैंप का भव्य समापन समारोह संपन्न

प्रयागराज। जुबैदा वोकेशनल ट्रेनिंग सेंटर के तत्वाधान में आयोजित समर कैंप का समापन समारोह आज उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में केंद्र रिजर्व पुलिस बल के असिस्टेंट कमांडेंट श्री शिव मोहन दीक्षित जी ने विशेष रूप से अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।इस प्रशिक्षण शिविर में श्रीमती डेज़ी ज़ैदी, संस्थापक ज़ुबैदा वोकेशनल ट्रेनिंग सेंटर, द्वारा छात्राओं को सिलाई, कढ़ाई, मेहंदी कला एवं अन्य व्यावसायिक कौशलों का प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

इस पहल का उद्देश्य छात्राओं को आत्मनिर्भर बनाना और उन्हें रोज़गार के नए अवसरों से जोड़ना रहा। समापन अवसर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। साथ ही प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने

वाली प्रतिभागियों को ट्रॉफियों से सम्मानित किया गया, जिससे उनमें आत्मविश्वास एवं प्रेरणा का संचार हुआ। इस कार्यक्रम में श्रीमती साबिर सहित कई गणमान्य व्यक्ति एवं अभिभावकगण भी उपस्थित रहे। समापन कार्यक्रम ने यह सिद्ध किया कि प्रशिक्षण और प्रोत्साहन के समन्वय से लड़कियों को सशक्त और सक्षम बनाया जा सकता है।

चोरों ने चोरी करने से पहले मैगी बनाई,एसी चलाकर आराम किया, उसके बाद घर का सामान समेटा

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ में चोर अजीबोगरीब हरकतें करते हैं। नया मामला गाजीपुर थाना क्षेत्र में इंदिरानगर सी–ब्लॉक का है। यहां चोरों ने एक रिटायर्ड बैंककर्मी के घर में चोरी की। चोरी से पहले सबने मैगी बनाई। काफी देर तक मैगी पार्टी चली। उसके बाद सभी ने घर का एसी चलाकर आराम किया। आराम के बाद घर का सामान समेटा और चले गए। इस घटना का वीडियो सामने आया है। ऐसा ही कुछ पिछले साल हुआ था। एक चोर चोरी करने के बाद एसी चलाकर सो गया था। ज्यादा नशे में होने की वजह से वह सोता ही रहा। सुबह मकान मालिक ने ही उसे पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। चोरी करने पहुंचे चोर ने पूरे घर को खंगाला डाला और टुल्लू पंप तक खोल दिए लेकिन जब वह बैटरी निकालने लगा, तभी

ज्यादा नशे की वजह से वहीं सो गया। इंदिरानगर में जिस रिटायर्ड बैंककर्मी के घर में चोरी हो गई, वह परिवार सहित सेना में तैनात बेटे के पास दिल्ली में इलाज के लिए गए थे। इस दौरान चोरों ने घर में घुसकर चोरी की घटना को अंजाम दिया।

घटना के दौरान चोरों ने घर में मैगी बनाई और सारा सामान खंगाला फिर चोरी करके निकल गए। पुलिस पीड़ित परिवार का इंतजार कर रही है। इंदिरानगर सी–ब्लॉक में बैंक से सेवानिवृत्त भूपाल सिंह बसेरा परिवार के साथ रहते हैं।

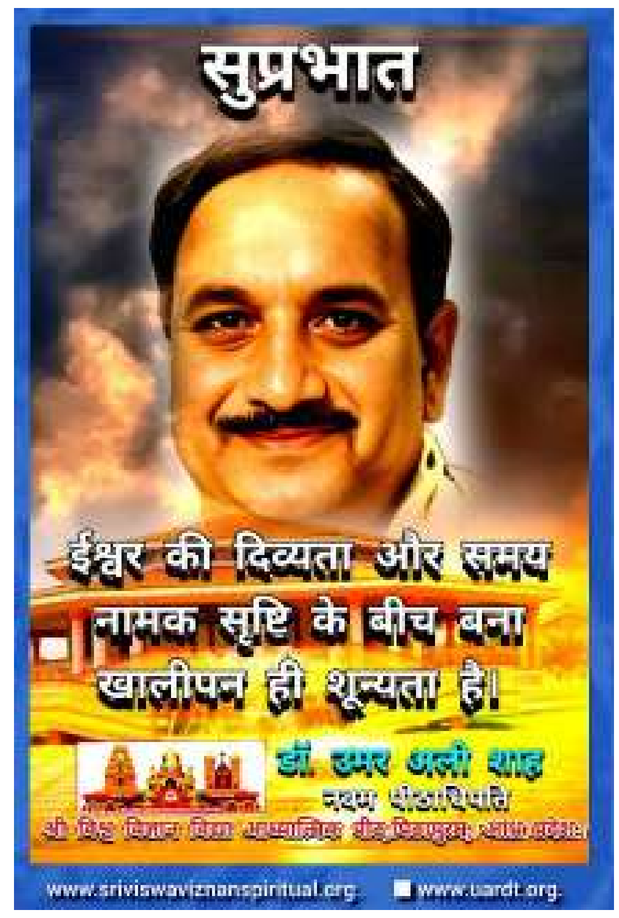

हिमसागर आम

(कुण्डलिया)

'हिमसागर' बंगाल का, है प्रसिद्ध वह आम।
जिसका सुन्दर है बदन, वजन तीन सौ ग्राम।
वजन तीन सौ ग्राम, बिना रेशे का गूदा।
मिला न कोई तथ्य,इसे किसने है ढूँढा।
सुन लो कहें प्रदीप,बताते हैं सब नागर।
रोग निवारण तत्व, भरा अंतस हिमसागर।।

हिमसागर–सा है नहीं, दूजा कोई आम।
स्वाद सुगंध मिठास में, आसपास हो नाम।
आसपास हो नाम, सुनहरा छिलका इसका।
जिस पर रहता रंग, लाल कुछ हलका–हलका।
सुन लो कहें प्रदीप, लगे यह रस का गागर।
आमों का सरदार, कहें सब है हिमसागर।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

माँ राजपति देवी स्मृति साहित्य सम्मान 2025' समारोह 28 सितम्बर को

प्रयागराज। उन्नीस सौ छिहत्तर में दो अक्टूबर को स्थापित श्री हनुमान पुस्तकालय, गंधियांव करछना प्रयागराज उ० प्र० – 212301 द्वारा अपने स्थापना के पचासवें वर्ष में प्रवेश करने के उपलक्ष्य में महिला रचनाकारों को दिये जाने वाले 'माँ राजपति देवी स्मृति साहित्य सम्मान' के लिए प्रविष्टि के रूप में केवल महिला रचनाकारों की विगत दस वर्षों में प्रकाशित गद्य/पद्य विधा की पुस्तक की दो प्रति संक्षिप्त जीवन परिचय एवं एक छायाचित्र के साथ पिनकोड सहित पता (पंजीकरण शुल्क 500/– रुपये जो 9935205341 पर देय होगा जिसकी स्क्रीन शॉट की छाया प्रति के साथ) केवल पंजीकृत डाक से दिनांक 31 जुलाई 2025 तक सादर आमंत्रित ह। 'लिफाफे पर 'मां राजपति देवी स्मृति साहित्य सम्मान 2025' अवश्य लिखें'। प्राप्त प्रविष्टियों की अन्तिम सूची का प्रकाशन दिनांक 15 अगस्त 2025 और निर्णायक मण्डल द्वारा चयनित पुस्तकों /रचनाकारों की घोषणा 31 अगस्त 2025 को की जाएगी द्य 'सम्मान समारोह हिन्दी दिवस 2025 के बाद 28 को आयोजित होगा' जिसमें चयनित रचनाकारों की उपस्थिति प्रार्थनीय होगी और अपने आने की सूचना फोन पर दस दिन पहले ही देनी होगी द्य उनके जलपान की व्यवस्था केवल समारोह स्थल पर ही होगी द्य किसी भी प्रकार का मार्ग व्यय आदि की व्यवस्था नहीं है द्य अनुपस्थित रहने की स्थिति में सम्मान सामग्री पंजीकृत डाक से भेजी जाएगी। सम्मान में स्मृति चिन्ह, सम्मान पत्र, अंगवस्त्र सहित साहित्य उपहार में दिये जाएंगे। 'निर्णायक मण्डल का निर्णय अंतिम और सर्वमान्य होगा। निर्धारित तिथि के बाद कोई भी प्रविष्टि स्वीकार नहीं होगी।

प्रविष्टि भेजने का पता
डॉ भगवान प्रसाद उपाध्याय
व्यवस्थापक – श्री हनुमान पुस्तकालय ग्राम गंधियांव, पो० करछना, जिला प्रयागराज, उ० प्र० पिनकोड – 212301. मोबाइल –9935205341, वाट्सएप –8299280381

भंडारे में हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी के प्रीति नगर क्षेत्र में मंगलवार को लाल जी सुइट्स एंड केटर्स की ओर से विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। भंडारे की शुरुआत हनुमान जी की पूजा–अर्चना के साथ हुई। कार्यक्रम में स्थानीय और दूर–दराज से आए श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। भंडारे में छोले–चावल, कढ़ी पूड़ी और हलवे की व्यवस्था की गई थी। आयोजन व्यवस्थित रहा और सभी को समय पर भोजन मिला।

आयोजन समिति सदस्य दीपू साहू ने बताया कि यह आयोजन आस्था और सेवा भावना का प्रतीक है। हर साल अधिक से अधिक लोगों तक सेवा पहुंचाने का प्रयास किया जाता है। मुख्य आयोजक लाल जी साहू ने कहा कि इतने लोगों का प्रसाद ग्रहण करने आना खुशी की बात है। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ आयोजन नहीं बल्कि सेवा है। वे आगे भी ऐसे आयोजनों के माध्यम से समाज सेवा जारी रखेंगे।

सम्पादकीय.......

सरकार की लापरवाही से यात्राओं में जोखिम

देश में यात्रा करना कितना जोखिम भरा हो चुका है, इसका एक दर्दनाक उदाहरण अहमदाबाद में 12 जून को हुआ विमान हादसा है। जिसमें विमान सवार यात्रियों में एक को छोड़ बाकी सभी 241 लोगों की जान चली गई और जिस बी जे मेडिकल कॉलेज हॉस्टल पर विमान गिरा, वहां और आसपास की सड़कों पर मौजूद कई लोग इसमें मारे गए। कम से कम 279 लोगों की मौत बताई जा रही है, हालांकि आंकड़ा और बढ़ सकता है। मृतकों की पहचान के लिए डीएनए परीक्षण का सहारा लिया जा रहा है। फिलहाल विमान का ब्लैक बॉक्स मिल गया है तो हादसे के सही कारण की पड़ताल हो रही है। इस बीच सरकार ने एक जांच समिति गठित की है। लेकिन इस समिति के जो भी निष्कर्ष सामने आएंगे, क्या उनसे भविष्य के लिए कोई सबक लिया जाएगा, यह विचारणीय है। क्योंकि उत्तराखंड में रविवार सुबह एक हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने से पायलट समेत सवार सभी 7 लोगों की मौत हो गई। जब से चारधाम यात्रा शुरु हुई है, उत्तराखंड में इस तरह के कम से कम पांच हादसे हो चुके हैं। 8 मई को हुए ऐसे ही एक हादसे में 6 लोगों की जान गई थी। ये भी सरकार की लापरवाही का नतीजा है कि उड़ान के नियमों का सख्ती से पालन नहीं किया जाता। इधर 9 जून को मुंबई में लोकल ट्रेन में भीड़ अधिक होने से कम से कम पांच लोग पटरी पर गिरकर मर गए। सड़क दुर्घटनाओं का तो कोई ओर–छोर ही नहीं है। हर दिन बड़ी संख्या में लोग या तो मारे जाते हैं या फिर बुरी तरह घायल होते हैं। जो पैदल चलते हैं, सड़कें उनके लिए भी सुरक्षित नहीं हैं। इन दुर्घटनाओं पर रोक लगाने की जगह सरकार की पूरी दिलचस्पी फोटो खिंचाने और बड़े–बड़े दावे करने में दिखाई देती है। अहमदाबाद हादसे के अगले दिन ही प्रधानमंत्री मोदी की कई तस्वीरें आई हैं, एक तस्वीर में ऊपर विमान का हिस्सा लटका हुआ है, श्री मोदी सिर उठाकर उसे देख रहे हैं और ये तस्वीर से नीचे से ऊपर खींची गई है, यानी इसके लिए फोटोग्राफर को लगभग लेट कर फोटो खींचनी पड़ी होगी। इसे देखकर लगा कि प्रधानमंत्री के लिए हर हाल में अलग–अलग एंगल से फोटो खिंचवाना कितना जरूरी है। वे चाहे गुफा में ध्यान लगाएं, विवेकानंद मेमोरियल में मौन चिंतन करें, केदारनाथ के दर्शन के लिए चढ़े या विमान हादसे का मुआयना करें, तस्वीरों में कोई कमी नहीं होनी चाहिए। और जहां तक दुर्घटनाओं का सवाल है तो गृहमंत्री अमित शाह कह ही चुके हैं कि दुर्घटनाओं को रोका नहीं जा सकता। लेकिन क्या गृहमंत्री ब्रिटेन को भी ऐसा ही बोल सकते हैं, क्योंकि वह भी अपने नागरिकों की मौत की जांच करना चाहता है। ब्रिटेन तो सवाल करेगा कि जब दुर्घटनाओं पर आपका बस नहीं है तो फिर उड़ान के नियम, कानून, सुरक्षा मानक, आपदा प्रबंधन ये सब क्या दिखावे के लिए भारत में बने हैं। जब आपको कोई जिम्मेदारी लेनी ही नहीं है तो फिर मंत्रालय का गठन भी क्यों किया गया है, क्या केवल इसलिए कि मंत्रालय बताए कि सरकारी उड़ान सेवाओं में घाटा है और इस तरह सभी चीजों का निजीकरण कर दिया जाए। लगभग सारे विमानतल और बंदरगाह अडानी समूह के हवाले हो ही चुके हैं, जो थोड़ी बहुत सरकारी संपत्ति और प्रतिष्ठान बचे हैं, उन्हें भी अपने लोगों में बांटने का सिलसिला चल ही रहा है। अभी दिल्ली के चिड़ियाघर तक को अंबानी के हवाले करने की योजना बना ली गई है। पहाड़, खदानें, जंगल, तालाब, रेल, हवाई क्षेत्र, समुद्री इलाके सब व्यापारियों के हवाले कर दिया जाए तो फिर सरकार क्या केवल तस्वीर खिंचाने के लिए बनाई गई है, यह सवाल अब देशवासियों को उठाना होगा।विपक्ष तो काफी अरसे से इन सवालों को उठा रहा है। लेकिन हर बार देश दुख में है, जैसे बहाने से सरकार सवालों को टालती है। इधर अनाप–शनाप खबरों को ट्रेंड करवा कर जनता का ध्यान भटकाया जा रहा है। इस हादसे में एक व्यक्ति रमेश विश्वासकुमार की जान बची, तो इस पर बेतुके सवाल होने लगे कि जब प्लेन गिर रहा था तो वे बाहर कैसे कूदे। इसी तरह आर्यन असारी नाम के छात्र ने विमान का गिरते हुए वीडियो बनाया तो उसे भी पुलिस पूछताछ के लिए ले गई, जबकि वह अपने गांव से पढ़ने आया था और हवाई जहाजों के वीडियो बनाकर अपने दोस्तों को दिखाना चाहता था। इस हादसे पर बाबा रामदेव ने कहा कि मुझे पता चला है कि विमान के रखरखाव और सेवा का काम तुर्की की एक एजेंसी करती थी। इस बेकार के इल्जाम पर अब तुर्की की कंपनी ने स्पष्टीकरण जारी किया है कि टर्किश टेक्निक ने कभी भी एअर इंडिया बोइंग 787–8 ड्रीमलाइनर का रखरखाव नहीं किया। टर्किश टेक्निक का एअर इंडिया के साथ रखरखाव समझौता है, लेकिन यह बोइंग 777 वाइड–बॉडी विमान तक ही सीमित है और बोइंग 787–8 ड्रीमलाइनर को कवर नहीं करता है। रामदेव के एक बेतुके आरोप ने भारत की जबरन किरकिरी करा दी। बहुत से लोग इस हादसे में कांग्रेस को दोषी ठहरा रहे हैं कि ये विमान कांग्रेस सरकार के वक्त खरीदा गया था और तब ऐसे कई घोटाले हुए थे। अगर ऐसा है तो भी 11 सालों में मोदी सरकार ने ऐसे घोटालों और पुराने विमानों की जांच क्यों नहीं की। उधर हिंदुत्व का खेल भी शुरु हो गया है कि इस हादसे में एक भगवतगीता बच गई। आज तक की पत्रकार श्वेता सिंह तो बाकायदा उसे प्रणाम करते दिखीं। अच्छी बात है कि एक किताब नहीं जली, लेकिन क्या ये सूचना उन दुखद कहानियों से बढ़कर है जो कम से कम दो सौ परिवारों का सच बन चुकी है। शायद गंभीर हादसों पर हमारा लापरवाह रवैया दुखद कहानियों में नए पन्ने जोड़ता जा रहा है। बहरहाल अब देखना है कि मोदी सरकार इस हादसे को लेकर कोई बड़ा फैसला करती है या नहीं, ये बात भाजपा याद रखे कि इसमें गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी की भी जान गई है।

स्टार्टअप्स के लिए जरूरी है, समझ की तब्दीली

अरविंद सरदाना

> *कई दशकों से चीन इस दिशा में बड़ी मात्र में निवेश कर रहा है। वर्तमान उदाहरण ही लें तो इस समय चीन का रिसर्च और डेवलपमेंट का बजट 715 अरब डॉलर है जो भारत से दस गुना अधिक और कई सुनियोजित प्लानिंग के साथ किया गया है।*

हाल ही में केन्द्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने एक मीटिंग में भारत के स्टार्टअप्स को फटकार लगाते हुए कहा कि भारत के स्टार्टअप दुकानदारी–नुमा नवाचार कर रहे हैं। मेहनती हैं, किन्तु केवल बाजार व्यवस्था में खरीदने–बेचने के नए तरीके के ही प्रयोग कर रहे हैं। इसकी तुलना में चीन में अधिकांश स्टार्टअप तकनीकी क्षेत्र में प्रयोग करते हुए प्रगति की राह पर चल रहे हैं। मंत्री जी का यह कथन सही है, लेकिन क्या इसमें स्टार्टअप का दोष है या सरकारी नीतियों की कमी और उनकी दूरदृष्टि का अभाव? भारत में किसी भी स्टार्टअप के मूल में दो बातें देखी जाती हैं दृ एक, नवाचार और दूसरी, बाजार में सफलता! नवाचार की दृष्टि से यह परखा जाता है कि उस विचार में कितना दम है, क्या यह प्रयोग करने योग्य है? साथ–ही–साथ यह प्रश्न भी पूछा जाता है कि क्या यह बाजार में चल पायेगा? हम यह भूल रहे हैं कि बाजार का आकलन बहुत दूरदृष्टि का नहीं हो सकता। एक विचार जो पुख्ता है, लेकिन उसके बाजार में टिकने की सम्भावना नहीं है, ऐसे स्टार्टअप को वित्तीय मदद कौन करेगा? टेक्नालॉजी में अधिकांश नए विचार शोध के क्षेत्र में होते हैं जो विश्वविद्यालयों या विशेष शोध–संस्थानों में किए जाते हैं। इनमें से कई विचारों को बाजार में उतरने में कई बरस या दशक लग जाते हैं तब जाकर स्टार्टअप की कल्पना की जा सकती है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि विज्ञान एवं टेक्नालॉजी में शोध करने वाले कई असफलताओं से गुजरकर ज्ञान के भंडार को पुख्ता करते हैं। यदि टेक्नालॉजी में शोध की नींव कमजोर है तो स्टार्टअप हवा से प्रकट नहीं होंगे। शोध में निवेश करना सरकार का काम है। कई दशकों से चीन इस दिशा में बड़ी मात्र में निवेश कर रहा है। वर्तमान उदाहरण ही लें तो इस समय चीन का रिसर्च और डेवलपमेंट का बजट 715 अरब डॉलर है जो भारत से दस गुना अधिक और कई सुनियोजित प्लानिंग के साथ किया गया है। हमारे एक विज्ञान के साथी ने एक घटना सुनाई जो इस बात को दर्शाती है। दो दशक पहले जब वे जर्मनी के एक लैब में अपना पोस्ट–डॉक्टरेट काम कर रहे थे तो उनके जैसे कई स्टूडेंट चीन से थे, पर खास बात यह थी कि चीन के छात्रों के साथ उनकी मदद करने वाले एक सीनियर वैज्ञानिक भी थे जो इस बात का भी आकलन कर रहे थे कि हम यह लैब चीन में कैसे बना सकते हैं। उन्होंने चीन सरकार को इसकी रिपोर्ट पेश की और एक दशक बाद चीन की यूनिवर्सिटी से उस प्रकार के उच्चतम स्तर के शोधपत्र निकल रहे थे जो इस बात को सिद्ध करता था कि उनके देश में उस प्रकार के लैब बन गए थे। इसे एक अन्य उदाहरण से भी समझा जा सकता है। चीन के बाद भारत मोबाइल फोन का सब से बड़ा निर्यातक है, पर दोनों में खास अंतर है। चीन में जब मोबाइल फोन बनता है तो उसका लगभग 90 फीसदी तकनीकी हिस्सा चीन में ही बनाया जाता है। भारत में बनने वाले मोबाइल फोनों के 75 फीसदी तकनीकी पार्ट्स बाहर से आयात किए जाते हैं। इस प्रकार के तकनीकी उद्योग जो मोबाइल फोन के अलग–अलग खास पार्ट्स बना पाएं, उनको भारत सरकार एक इको–सिस्टम में नहीं ढाल पाई। तकनीकी उद्योग की नींव में जो शोध होना चाहिए वह भी नहीं बन पाया है। इसका एक कारण है कि हमने इंफ्रास्ट्रक्चर को केवल सड़क, पानी और बिजली तक सीमित रखा है। ये सब उपलब्ध हों तो निजी उद्यमी अपने आप उद्योग का निर्माण करेंगे, किन्तु आज के समय के लिए यह समझ अधूरी है। इंफ्रास्ट्रक्चर का अहम हिस्सा है तकनीकी ज्ञान भंडार और उसमें कुशल मानव संसाधन। यदि यह देश में उपलब्ध नहीं है तो सरकार का काम है उसे उपलब्ध करवाए। इसमें सरकार की कई भूमिकाएं हैं – खुद कारखानों में निवेश करना व चलाना, शोध के लिए विशेष कदम उठाना और उन विदेशी कम्पनियों को लाना जिनके पास यह टेक्नालॉजी है। इन कदमों के बिना इस प्रकार के उद्योग नहीं लग सकते। तकनीकी ज्ञान आपको आसानी से कोई नहीं देगा।हम मेक इन इंडिया करना चाहते हैं। नारा सही है, पर उसकी कारगर नीति नजर नहीं आती। उद्योग के लिए जरूरी है नए कारखाने लगें और एक तरह का जाल या आपसी सम्बन्ध बने जहां एक का सामान दूसरा उपयोग करता हो। देश के लिए औद्योगीकरण में गहराई तभी बनती है, जब किसी भी सामान को बनाने के अधिकांश पार्ट्स हम देश में बना सकते हैं। यहां विस्तृत योजना की जरूरत है। कुछ क्षेत्रों में सरकार को खुद निवेश करना होगा।वर्तमान समय के अध्ययन बताते हैं कि हम कारखानों के लिए जरूरी सामान का बड़ा हिस्सा आयात कर रहे हैं। अधिकांश चीन पर निर्भर हैं। प्राइवेट सेक्टर को जब तक सस्ता आयात करने का अवसर रहेगा तब तक वह इस दिशा में निवेश नहीं करेगा। उसकी सोच दुकानदारी की होती है, दूरगामी नहीं। उदाहरण के लिए हम दवा उद्योग के क्षेत्र में अव्वल हैं, परन्तु इसका बहुत सारा जरूरी सामान चीन से आयात होता है। यदि यही सामान देश में बनाना है तो सरकार को खुद निवेश करना होगा और उसका तकनीकी ज्ञान हासिल करना होगा। हम इस नारे में फंस गए हैं कि सरकार को कारखाने नहीं लगाने चाहिए। नतीजे में जरूरी बुनियादी उद्योग की अवधारणा को भूलकर नेहरूवादी आद्योगिकीकरण को नकारा बताने की निरर्थक बहस में मशगूल हो गए हैं। इन सभी कारणों को मिलाकर देखें तो दुकानदारी–नुमा स्टार्टअप का बनना हमारे वातावरण की उपज है।

इजराइल दुनिया को एक बड़े युद्ध में झोंकने की तैयारी में!

शकील अख्तर

विज्ञान और तकनीक में प्रगति इंसान की बेहतरी के लिए। मगर आज लग रहा है कि वह विनाश के लिए है। पूरी मानवता के विनाश के लिए। कुछ देशों ने उसका ऐसा ही विकास किया है। एक समय था जब स्कूल में फिर कालेज में भी वाद–विवाद में यह विषय जरूर होता था कि विज्ञान वरदान या अभिशाप! वह समय नेहरू के साइंटिफिक टेंपर (वैज्ञानिक मिजाज) के बाद का था और देश में ही नहीं विदेशों में भी विज्ञान इंसान की जिन्दगी को आसान और खुशहाल बना रहा था। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद दुनिया शांति की तलाश में थी और विज्ञान के जरिए उस शांति में सुख समृद्धि लाना चाहती थी। उसी दौर में हिटलर के अत्याचारों से एक पूरी कौम के नष्ट हो जाने की आशंका को देखते हुए दुनिया ने यहूदियों को जर्मनी से निकालकर अरब देशों के बीच एक सुरक्षित ठिकाना दिया। इजराइल नाम का एक नया देश बना। लेकिन जो पीड़ित था वह बाद में खुद दूसरों के लिए इतनी बड़ी समस्या बन जाएगा कि एक और बड़े युद्ध की आशंका दुनिया को डराने लगेगी यह किसी ने नहीं सोचा था। पहले गजा में नरसंहार। दो साल होने जा रहे हैं। करीब 60 हजार फिलीस्तिनियों को इजराइल ने मारा। जिनमें बड़ी तादाद में बच्चे शामिल हैं। यूनिसेफ जो संयुक्त राष्ट्र की एक एजेंसी है बच्चों के लिए काम करने वाली, उसके आंकड़ों के मुताबिक जख्मी और मारे गए बच्चों की तादाद 50 हजार के करीब है। इजराइल ने गजा पहुंचने वाली सारी रसद दूध, दवाइयां बंद कर रखी है जिसकी वजह से मौत की संख्या रोज बढ़ रही है। एक छोटा सा देश इजराइल जो चारों तरफ से अरब देशों से घिरा हुआ है किस तरह इतना अत्याचार कर पा रहा है। एक अमेरिका के समर्थन तो है मगर जिस तरह उसने नए–नए हथियार बना लिए हैं, सुरक्षा सिस्टम जिसे आयरन डोम कहा जाता है उससे वह खुद को अजेय और पूरी तरह सुरक्षित समझ रहा है। इसी भ्रम में उसने ईरान पर हमला बोल दिया। लेकिन ईरान के जवाबी हमले ने उसके आयरन डोम से सुरक्षा की खुशफहमी को तोड़ दिया। मीडिया सारा पश्चिमी है। वह मुख्यतरू इजराइल का साथ दे रहा है। इजराइल के हमले से ईरान को कितना नुकसान हुआ यह तो बढ़ा चढ़ाकर बता रहा है। मगर ईरान ने उसका कितना नुकसान किया इस पर कहता है कि ईरान के दावे हैं मगर इजराइल खंडन करता है। यह मीडिया रुस–युक्रेन युद्ध में युक्रेन को उकसा रहा था। भारत से भी सारे न्यूज चौनलों को युक्रेन ले जाया गया था। यह पश्चिमी मीडिया अमेरिका के हितों को देखकर काम करता है। हमारे यहां भी लोग इसके प्रभाव में आ जाते हैं। मगर भारत–पाक के बीच अभी हुए सीमित युद्ध में हम लोगों को इस पश्चिमी मीडिया ने झटका दिया। चूंकि अमेरिका पाकिस्तान के साथ खड़ा था तो उसका मीडिया भी पाकिस्तान के पक्ष में प्रचार कर रहा था। हमें अपनी विदेश नीति देश हित के अनुरूप रखना चाहिए। मगर मोदी जी द्वारा इसे अपनी व्यक्तिगत छवि बनाने के लिए उपयोग करने से दुनिया में हम अकेले पड़ गए। सच को सच कहने के साहस की वजह से विश्व में हमारा सम्मान था। मगर अब हम बचने लगे। अभी संयुक्त राष्ट्र महासभा में गजा में संघर्ष विराम के लिए हुई वोटिंग से हम दूर हट गए। मतलब हमने संघर्ष विराम के पक्ष में वोटिंग नहीं की। संदेश गया कि भारत शांति नहीं चाहता। 193 सदस्यीय महासभा में युद्ध विराम के पक्ष में 149 वोट पड़े। विरोध में केवल 12 और 19 देश जिनमें भारत भी था ढुलमुल। भारत ऐसा कभी नहीं था। वह तो इनमें से 120 देशों का नेतृत्व करता था। गुटनिरपेक्ष आंदोलन। नेहरू इसके नेता थे। मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने बहुत तगड़ा हमला किया। पूछा कि क्या आज युद्ध और नरसंहार के खिलाफ भी खड़े होने की मोदी सरकार में हिम्मत नहीं है? कांग्रेस ने कहा यह शर्मनाक है। भारत हमेशा शांति न्याय और मानवीय गरिमा के पक्ष में खड़ा रहा है। मोदीजी भूल रहे हैं कि पिछले दिनों बिहार चुनाव के समय उन्होंने जिन दिनकर को याद किया था। उन्होंने लिखा था कि जो तटस्थ हैं समय लिखेगा उनके भी अपराध! और उनके ही गुजरात सूरत के शायर वसीम मलिक ने इसे और आगे बढ़ाते हुए कहा है कि– –इसलिए जिन्दा हूं कि मैं बोल रहा हूं दुनिया किसी गूंगे की कहानी नहीं लिखती! खैर मोदी जी को कौन समझा सकता है। अचानक सीज फायर पर तो भाजपा और संघ भी उन्हें नहीं समझा पाए। अब तो वक्त ही उन्हें समझाएगा। मगर बात हम कुछ दूसरी कर रहे थे। लेकिन आजकल आप बात कोई करो मोदी जी ने इतना निराश कर दिया है कि बात उन तक आ ही जाती है। बात थी दुनिया पर मंडराते एक बड़े युद्ध के खतरे की। जिसे इजराइल ने शुरू किया है। जिस देश से सीमा नहीं मिलती, बीच में कई देश आते हैं, ढाई हजार किलोमीटर दूर है उस पर हवाई हमले करके। उसकी आबादी केवल 90 लाख है। ईरान की 9 करोड़। भूभाग इजारइल का केवल 22 हजार वर्ग किलोमीटर है और ईरान का 16 लाख वर्ग किलोमीटर से ज्यादा। मतलब 70 गुना ज्यादा क्षेत्रफल और 10 गुना ज्यादा आबादी।और एक तथ्य बताते हैं इजराइल चारों तरफ से अरब देशों से घिरा हुआ है। और दुनिया में 57 इस्लामिक कंट्री हैं। जो खुद को फिलिस्तीनियों के अधिकारों का समर्थक बताते हैं। इनका एक संगठन भी है इस्लामी सहयोग संगठन (ओआईसी) लेकिन गजा में नरसंहार के दो साल होने जा रहे हैं यह संगठन अभी तक इसे रोकने की कोई ठोस पहल नहीं कर पाया। इसमें सउदी अरब जैसे अमेरिका के कई निकटतम मित्र देश हैं। मगर अमेरिका गजा में युद्ध विराम नहीं होने देता और उसके साथ बहुत मधुर संबंध रखने वाले इस्लामिक देश जिनमें पाकिस्तान भी शामिल है उससे कुछनहीं कह पाते। समस्या क्या है? वही, जो हमने शुरू में कही। विज्ञान और तकनीक का उपयोग तरक्की के लिए करना। इस्लामिक देशों ने इस नजरिए से कभी सोचा ही नहीं। मार्डन एजुकेशन साइंस और टेक्नोलाजी में वे इजराइल से बहुत पीछे रह गए। इसलिए इतना छोटा देश अपने जन्म के बाद से इस्लामिक मुल्कों को लगातार चौंलेज कर रहा है। हमने ऊपर ही लिखा कि विज्ञान को विनाश तक ले जाने के बहुत दुष्परिणाम होंगे। इजराइल वही कर रहा है। ईरान परमाणु शक्ति सम्पन्न देश है। ढाई हजार किलोमीटर जाकर उस पर हमला करने को वह या कोई भी देश स्वीकार नहीं कर सकता। और वह भी उससे आबादी और क्षेत्रफल दोनों में बहुत छोटा। मगर ईरान सहित दूसरे सभी इस्लामिक मुल्क जिन्हें इजाइल लगातार 1948 से अपनी स्थापना के बाद से चौलेंज कर रहा है इसलिए उससे अभी तक नहीं जीत सके कि साइंस टेक्नालाजी एजुकेशन अर्थव्यवस्था किसी में भी वह सब मिलकर भी इजराइल के बराबर नहीं हैं। समय आ गया है बदलाव का। सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, ईरान, इराक, कुवैत, कतर सब तेल के पैसों से बहुत अमीर देश हैं। मगर इजराइल की गुंडागर्दी का मुकाबला नहीं कर पाते। दुनिया के सारे आविष्कार, पैसा, अमेरिका, पश्चिमी देशों और इजराइल के पास। और इसी दम पर यह सब मिलकर 57 इस्लामिक मुल्कों को कुछ नहीं समझते। बस इनके शेख अमेरिका के राष्ट्रपति से मिलकर उन्हें दुनिया के महंगे जहाज से लेकर और दूसरे महंगे–महंगे तोहफे देकर खुश हो जाते हैं। लेकिन यह नहीं समझते कि इजराइल के मुकाबले अमेरिका इन्हें कभी बचाएगा भी नहीं। मार्डन एजुकेशन, साइंस, टेक्नालाजी में पैसा खर्च करें। तड़क–भड़क दिखाने में नहीं। इस समय सब आपसी विवाद भूलकर साथ खड़े होने का मौका है। गजा में पूर्ण युद्ध विराम और ईरान पर हमले रोकना तत्काल जरूरी है। और अगर सारे इस्लामिक कंट्री साथ खड़े हो जाएं तो अमेरिका को यह करना पड़ेगा। बेवकूफियों में इन्होंने बहुत बर्बाद कर दिया है। और ईरान पर हमले के बाद भी नहीं चेते तो फिर कोई इज्जत नहीं बचेगी।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार है)

अन्नदाता की खुशहाली के लिए गैरसरकारी संगठनों को भी निभानी होगी बड़ी भूमिका

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

केन्द्र सरकार द्वारा विकसित कृषि संकल्प अभियान के माध्यम से जिस तरह से देश के कोने कोने में किसानों तक पहुंचने का प्रयास किया गया है और जिस तरह से खेती और उससे जुड़ी किसानों से संबंधित जानकारी को साझा किया गया है यह इस मायने में महत्वपूर्ण हो जाता है कि अन्नदाता की खुशहाली में ही देष की खुषहाली संभव है। सरकार के साथ ही खेती किसानी क्षेत्र में जुड़े गैरसरकारी संगठन भी आगे आते हैं तो अन्नदाता की खुशहाली की और अधिक तेजी से राह प्रशस्त होगी। हांलाकि मिशन फार्मर साइंटिस्ट परिववार जैसे संगठन नवाचारी किसानों के नवाचारों को पहचान दिलाने और किसानों के हित में लगातार प्रयासरत है। इसमें कोई दो राय नहीं कि चुनावों के समय सभी राजनीतिक दलों के केन्द्र में किसान ही रहता है और किसानों के लिए लोकलुभावन वादों की बरसात कर दी जाती है पर कभी इस बात को गंभीरता से नहीं समझा गया कि किसान का भला कर्ज माफी से नहीं हो सकता। किसान का भला चंद मिनी किट वितरण से नहीं हो सकता। दरअसल अन्नदाता और खेती किसानी का भला किसान के खेत को ही प्रयोगशाला बनाने से संभव होगा तो किसानों को उनकी मेहनत का पूरा पैसा दिलाने से संभव होगा। कैसी बिड़म्बना है कि छोटी से छोटी वस्तु का उत्पादन कर्ता अपनी वस्तु को बेचने का दाम खुद तय करता है वहीं दूसरी और अन्नदाता जो अपने खून पसीने से सबका पेट ही नहीं भरता बल्कि इससे भी अधिक यह कि देश की अर्थ व्यवस्था को गति देने का प्रमुख कारक भी है। इस सबके बावजूद किसान को अपनी उपज ओने पोने भावों में बेचने को मजबूर होना पड़ता है। उसकी मेहनत का फल बिचौलियों को चला जाता है। टमाटर इसका सबसे बड़ा उदाहरण माना जा सकता है जो कभी अन्नदाता को रुलाता है तो कभी आमजन को पर कभी भी किसी मण्डी के आड़तियें को रुलाते नहीं देखा होगा। यहां तक देखने को मिलता है कि अन्नदाता को लागत तो दूर मण्डी में ले जाने तक के खर्च की राषि भी नहीं मिल पाती है। टमाटर तो एक उदाहरण मात्र है। इसमें कोई दो राय नहीं कि पिछले 11 साल में किसानों के हित में बड़े और लाभकारी निर्णय किये गये हैं। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि या फसल बीमा जैसी योजनाएं और फसल की बुवाई से पहले ही न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा निश्चित रुप से सराहनीय पहल है। हालिया 15 दिन का विकसित कृषि संकल्प अभियान को भी निश्चित रुप से सराहनीय पहल माना जा सकता है। इस सबके बीच सवाल यह भी उठता है कि देष में बहुत से प्रगतिशील और अपने बल बूते पर खेती के क्षेत्र में नवाचारों को फलीभूत कर रहे हैं उनको प्रोत्साहित करने के प्रयास भी होने चाहिए। हांलाकि कृषि पत्रकार और मिशन फार्मर साइंटिस्ट परिवार के माध्यम से लगातार ऐसे कर्मयोगी किसानों को आगे लाने, प्रोत्साहित करने और उनके प्रयोग को अन्य किसानों के सामने के समग्र प्रयास डॉ. महेन्द्र मधुप जैसे कर्मयोगी द्वारा लगातार किये जा रहे हैं। डॉ. मधुप 2017 से इस मॉडल को किसान वैज्ञानिकों की जीवनशैली में उतारकर, देश–विदेश में उनकी पहचान को विस्तारित करने में जुटे हैं, इसे सकारात्मक पहल माना जा सकता है। देश का मीडिया भी इसे लेकर गंभीर है और यही कारण है कि प्रमुख मीडिया ग्रुप किसानों से संबंधित जानकारियों का समावेश करते हुए नियतकालीन परिषिष्ठ प्रकाशित कर रहे हैं। डॉ. मधुप जैसे ही खेती किसानी के क्षेत्र में कार्य कर रहे गैर सरकारी को भी आगे आना चाहिए और जो तथाकथित किसान हितेशी बने हुए हैं उन्हें भी ऐसे कर्मयोगी किसानों के नवाचारों को प्रमुखता देनी चाहिए। कोरोना काल का उदाहरण हमारे सामने हैं। जब समूचे विश्व में सब कुछ बंद हो गया तो सबसे बड़ा सहारा कृषि क्षेत्र ही बनकर आया। किसानों की मेहनत से भरे अन्न धन इस संकट के समय में बड़ा सहारा बने। सरकारें अपने नागरिकों को आसानी से खाद्य सामग्री उपलब्ध करा सकी। आज भी देश दुनिया में खाद्य संकट से जूझने में अन्नदाता की मेहनत ही काम आ रही है। कर्जमाफी की यहां इसलिए चर्चा करना जरुरी हो जाता है कि कर्जमाफी की राषि जितनी राशि के कृषि इनपुट यानी कि खाद–बीज कीटनाशक किसानों को उपलब्ध करा दी जाए तो इस राशि का वास्तव में खेती किसानी क्षेत्र में उत्पादकता के रुप में उपयोग हो सकेगा। कर्ज माफी को इसतरह से समझना होगा कि किसान भी यह समझने लगा है कि चुनाव आने पर कर्ज तो माफ होना ही है ऐसे में कर्ज चुकाना ही क्यों। दूसरा यह कि सरकार की कर्ज माफी का बोझ तो उठाना ही पड़ता है पर फिर भी वह ना तो किसानों को ही संतुष्ट कर पाती है और ना ही यह राशि किसानों के काम आ पाती है। ऐसे में सरकार को ब्याज अनुदान या इस तरह के अनुदान पर होने वाले व्यय को किसानों को इनुपट के रुप में उपलब्ध कराने पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। इससे एक तो इनपुट खेती में ही काम आयेगा और इनपुट की गुणवत्ता पर ध्यान दिया गया तो खेती किसानी में उत्पादकता बढेगी और इसका लाभ देषको ही प्राप्त होगा। देश में अन्नधन के भण्डार भरेंगे।

आमिर खान स्टारर सितारे जमीन पर का नया गाना शुभ मंगलम हुआ रिलीज

सितारे जमीन पर की रिलीज अब बस करीब है, जो 2007 की पसंदीदा फिल्म तारे जमीन पर का एक स्पिरिचुअल सीक्वल है और लोगों का उत्साह अपने चरम पर पहुंच रहा है। ट्रेलर पहले ही प्यार, खुशी और हंसी से भरी एक दिल छू लेने वाली दुनिया की झलक दिखा चुका है। अब फिल्म का सोलफुल साउंडट्रैक भी लोगों के दिलों को छू रहा है, जिससे रिलीज से पहले का इंतजार और भी बढ़ गया है। नया गाना शुभ मंगलम भी इस त्योहारी माहौल में रौनक बढ़ा रहा है, और लोगों के बीच एक खास जश्न का माहौल बना रहा है। अपने सोशल मीडिया पर मेकर्स ने शुभ मंगलम गाना शेयर किया, जो शादी की रौनक और एनर्जी से भरपूर है। इस गाने में आमिर खान, जेनेलिया डिसूजा और साथ में 10 चमकते सितारे धमाकेदार डांस करते और मस्ती करते नजर आ रहे हैं। मेकर्स ने इसके साथ कैप्शन भी लिखा। सितारे जमीन पर के गाने शुभ मंगलम को शंकर महादेवन और अमिताभ भट्टाचार्य ने गाया है। इस गाने को शंकर–एहसान–लॉय ने कंपस किया है, जबकि इसके बोल अमिताभ भट्टाचार्य ने लिखे हैं। आमिर खान प्रोडक्शंस गर्व के साथ पेश करता है 10 राइजिंग सितारे अरूष दत्ता, गोपी कृष्ण वर्मा, सम्वित देसाई, वेदांत शर्मा, आयुष भंसाली, आशीष पेंडसे, ऋषि शाहानी, ऋषभजैन, नमन मिश्रा और सिमरन मंगेशकर। आर. एस. प्रसन्ना द्वारा निर्देशित, जिन्होंने पहले बैरियर तोड़ने वाली ब्लॉकबस्टर शुभ मंगल सावधान बनाई थी, अब आमिर खान प्रोडक्शंस के साथ सितारे जमीन पर में सबसे बड़े कोलैबरेशन के साथ वापसी कर रहे हैं। आमिर खान प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी श्सितारे जमीन पर में आमिर खान और जेनेलिया देशमुख लीड रोल में नजर आएंगे। फिल्म के गाने अमिताभ भट्टाचार्य ने लिखे हैं और म्यूजिक शंकर–एहसान–लॉय ने दिया है। इसका स्क्रीनप्ले दिव्य निधि शर्मा ने लिखा है। इस फिल्म को आमिर खान और अपर्णा पुरोहित ने रवि भागचंदका के साथ प्रोड्यूस किया है। आर. एस. प्रसन्ना के डायरेक्शन में बनी यह फिल्म 20 जून 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

> "अपने सोशल मीडिया पर मेकर्स ने शुभ मंगलम गाना शेयर किया, जो शादी की रौनक और एनर्जी से भरपूर है। इस गाने में आमिर खान, जेनेलिया डिसूजा और साथ में १० चमकते सितारे धमाकेदार डांस करते और मस्ती करते नजर आ रहे हैं।

साजिद नाडियाडवाला की हाउसफुल 5 ने मचाया धमाल, फिल्म के बजट से ज्यादा का किया कलेक्शन

साजिद नाडियाडवाला की हाउसफुल 5 बॉक्स ऑफिस पर विजेता बनकर उभरी है, जिसने अच्छी तरह से बनी कमर्शियल सिनेमा की ताकत की पुष्टि की है। फिल्म के प्रोडक्शन बजट 225 करोड़ और प्रिंट और विज्ञापन पर अतिरिक्त 15 करोड़ खर्च करने के साथ, फिल्म की कुल लागत 240 करोड़ थी। फिर भी, बॉक्स ऑफिस प्रदर्शन और गैर–थियेट्रिकल रेवेन्यू के शानदार मिश्रण से, फिल्म ने मुनाफा कमाया है, जो नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट के लिए एक और उपलब्धि है। हाउसफुल 5 ने पहले ही रणनीतिक सौदों के जरिए 175 करोड़ की अच्छी–खासी कमाई कर ली थी। फिल्म को बस सिनेमाघरों में अपनी कमाई से 65 करोड़ की वसूली करनी थी। दुनिया भर में पहले से ही 227 करोड़ की कमाई के साथ, जो कि मुनाफे के लिए जरूरी 150 करोड़ के बराबर है, हाउसफुल 5 ने न सिर्फ लागत को कवर किया है बल्कि अपने निर्माताओं को अच्छा मुनाफा भी दिया है। फिल्म की गति, खास तौर पर बड़े पैमाने पर और पारिवारिक दर्शकों के बीच, इसे दुनिया भर में 300 करोड़ के आंकड़े के लिए मजबूती से खड़ा करती है, यह एक ऐसा बेंचमार्क है, जो इसे हिट से ब्लॉकबस्टर का दर्जा दिला सकता है। नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट के बैनर तले निर्मित और तरुण मनसुखानी द्वारा निर्देशित, हाउसफुल 5 क्रेजीनेस से भरी कॉमेडी को बड़े पैमाने और स्टार पावर के साथ मिलाती है, जो सबसे ज्यादा मायने रखने वाली जगह पर सोना उगलती हैरु टिकट खिड़कियों पर।

9 साल की मेहनत है कन्नप्पा, 2014 में आइडिया, 2015 में स्क्रिप्ट लिखनी शुरू की, 2023 में शूटिंग : विष्णु मंचू

9 साल की मेहनत है कन्नप्पा, 2014 में आइडिया, 2015 में स्क्रिप्ट लिखनी शुरू की, 2023 में शूटिंग : विष्णु मंचू

मुकेश कुमार सिंह के निर्देशन में बनने वाली 'कन्नप्पा' का निर्माण मोहन बाबू द्वारा किया जा रहा है। इस फिल्म में प्रभास, अक्षय कुमार और विष्णु मंचू समेत कई बड़े सितारे शामिल हैं। यह फिल्म आगामी 27 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। फिल्म में इतिहास के कुछ किस्सों को दिखाया जाएगा। हाल ही में फिल्म के मुख्य अभिनेता विष्णु मंचू ने खास बातचीत की। पेश हैं बातचीत के मुख्य अंशः

सवाल– कन्नप्पा को आप किस जॉनर में रखते हैं और इसे बनाने में कितना समय लगा?

जवाब– मैं 'कन्नप्पा' को एक हिस्टॉरिकल एक्शन मूवी कहूंगा। इसका आइडिया मुझे 2014 में आया था और 2015 में मैंने इसकी स्क्रिप्ट लिखनी शुरू की। इसके बाद फिल्म की शूटिंग 2023 में की गई। यानी इस फिल्म को बनाने में कुल मिलाकर 9 साल लगे।

सवाल– फिल्म की कास्टिंग प्रोसेस के बारे में बताइए?

जवाब– फिल्म की कास्टिंग के लिए मैंने सभी कलाकारों से व्यक्तिगत तौर पर संपर्क किया और सभी ने खुशी–खुशी हामी भर दी। मैं उनका दिल से धन्यवाद देना चाहता हूं, क्योंकि इस फिल्म के लिए इतने बड़े कलाकारों की जरूरत नहीं थी, फिर भी वे इसके लिए तैयार हुए। इसका एक कारण यह भी है कि सभी मेरे पिता (मोहन बाबू) की बहुत इज्जत करते हैं। इसके अलावा, उन्हें स्क्रिप्ट पर पूरा विश्वास था। इस फिल्म में मोहनलाल जी भी हैं और तमिलनाडु से शरद कुमार भी जुड़े हैं। फिल्म के तीन गाने प्रभु देवा जी ने कोरियोग्राफ किए हैं।

सवाल– क्या अक्षय कुमार ने पहले इस फिल्म के लिए मना किया था?

जवाब– देखिए, अक्षय कुमार जी देश के बहुत बड़े सुपरस्टार हैं। फिल्म में उनका रोल 7 दिन का था, जिसे लेकर उनकी टीम शुरुआत में राजी नहीं हो रही थी। तब मैंने सुधा कुंदू जी से बात की, जो पहले अक्षय सर के साथ काम कर चुकी हैं। मैंने उन्हें रिक्वेस्ट की कि वे अक्षय सर से बात करें। फिर मेरी खुद अक्षय सर से फोन पर बात हुई और पहली कॉल में ही वो मान गए।

सवाल– अक्षय कुमार और प्रभास के काम करने की टाइमिंग में अंतर है, तो क्या शूटिंग के दौरान कोई दिक्कत आई?

जवाब– नहीं, ऐसा कुछ नहीं हुआ। सभी बहुत प्रोफेशनल हैं, इसलिए हर काम समय पर और अच्छे से हो जाता था। मैं खुद भी सुबह काम करना पसंद करता हूं क्योंकि रात को जल्दी सो जाता हूं। शाम को शूटिंग करना मेरी प्राथमिकता नहीं होती, लेकिन जरूरत पड़ने पर करता हूं।

सवाल– आप अभिनेता कैसे बने? क्या बचपन से ही एक्टर बनने की चाहत थी?

जवाब– जी हां, मैं बचपन से ही अभिनेता बनना चाहता था, लेकिन मेरे पिता चाहते थे कि मैं एक प्ै ऑफिसर बनूं। पर मेरा सपना एक्टर बनने का था, और आज मैंने 'कन्नप्पा' बनाई है। मेरे भाई–बहन भी एक्टर्स हैं, और ये एक लेगेसी है जिसे हम आगे लेकर चल रहे हैं। यह लेगेसी अच्छी भी है क्योंकि हमें अपने पिता का पूरा सपोर्ट मिला। हालांकि लोग तुलना करते हैं, लेकिन उन्हें समझाना चाहिए कि मेरे पिता एक अलग अभिनेता हैं और मैं अलग।

सवाल– फिल्म 'कन्नप्पा' में जेन–ं के लिए क्या खास है?

जवाब– इस फिल्म में भरपूर एक्शन है और इसे खास तौर पर आज की युवा पीढ़ी को ध्यान में रखते हुए बनाया गया है। इसमें कन्नप्पा की पूरी कहानी दिखाई गई है वो कहां से आया, क्यों वह नास्तिक था, और उसका जीवन कैसा रहा। हर चीज को ध्यान में रखते हुए इसे एक फिक्शनल तरीके से लिखा और बनाया गया है।

सवाल– आपको इस फिल्म से क्या सीखने को मिला?

जवाब– बिल्कुल! इस फिल्म ने मुझे धैर्य रखना सिखाया। साथ ही यह भी सिखाया कि अगर हम दिल से सोचें और पूरी लगन से काम करें, तो कोई भी सपना असंभव नहीं होता। जब आपको अपने काम पर पूरा विश्वास होता है, तो आप सब कुछ कर सकते हैं। मेरा संदेश यही है धैर्य रखें और मेहनत करें।

सवाल– एक अभिनेता के तौर पर आपकी प्रेरणा कौन रहे हैं?

जवाब– मेरी प्रेरणा हमेशा से बड़े अभिनेता रहे हैं जैसे कि अमिताभ बच्चन, शत्रुघ्न सिन्हा और अमरीश पुरी जी। इसके अलावा, हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में मुझे अनिल कपूर की ऊर्जा और नाना पाटेकर की अभिनय क्षमता से भी बहुत कुछ सीखने को मिला है। इन सभी से प्रेरणा लेकर ही मैं अपनी फिल्मों में कुछ नया करने की कोशिश करता हूं।

गोविंदा की बीवी ने उज्जैन में किए कालभैरव के दर्शन, सुनीता अहूजा को यूं पूजा करते देख भड़के यूजर्स, पूछा– पुजारी ने कितने पैसे लिए हैं

एक्टर गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा बहुत ही धार्मिक हैं। वह पूजा–पाठ के बारे में खुलकर बात करती रही हैं। उन्होंने कई इंटरव्यूज में बताया है कि उन्हें जाप से लेकर घर में पूजा–अर्चना करने में तीन–चार घंटे आराम से लग जाते हैं। हाल ही में सुनीता आहूजा कालभैरव के दर्शन के लिए उज्जैन पहुंचीं। दरअसल, सुनीता आहूजा सिर पर पल्लू लिए और आल्थी–पाल्थी मारकर बैठी नजर आ रही हैं। वह हाथ जोड़े हुए भक्ती में लीन दिख रही हैं। वह प्रतिमा के एकदम पास बैठकर हाथ जोड़कर मनन कर रही हैं। इस वीडियो पर लोगों का रिएक्शन आया है और उन्होंने सवाल उठाए हैं लेकिन मीलों लंबी लाइन में खड़े श्रद्धालुओं को सिर्फ एकाध सेकेंड ही उनके आगे खड़े होने की इजाजत होती है। अब सुनीता आहूजा के इस वीडियो को देख लोगों ने इसी पर एतराज जताया है। एक यूजर ने लिखा, सब 3 घंटे लाइन में खड़े रहो और भगवान के करीब जाते ही 3 सेकेंड में ही धक्का देकर बाहर... और इन भाग्यवान के नसीब देखिए वहां बैठकर कितने अच्छे से पूजा कर रही हैं। क्योंकि गोविंदा की पत्नी हैं। एक यूजर ने लिखा, ऐसे दर्शन तो सिर्फ सेलेब्स को ही मिलते हैं। आम आदमी को हकाला जाता है जल्दी, जल्दी। ऐसा सुकूनभरा दर्शन कभी नसीब नहीं होता। एक यूजर ने लिखा, हम वीआईपी पास लेकर भी ऐसी पूजा नहीं कर पाते हैं। और ये लोग इतने अच्छे से कैसे सामने एकदम छूकरके कर लेते हैं। एक ने तो लिखा, पुजारी जी ने कितना पैसा खाया है, ऐसे सुकून से पूजा कराने के नाम पर। बता दें कि उज्जैन में बाबा महाकाल के दर्शन के बाद कालभारव के दर्शन की मान्यता है। कहा जाता है कि इनके दर्शन के बिना महादेव के दर्शन पूरे नहीं होते। इतना ही नहीं प्रसाद के रूप में यहां शराब की बोतलें चढ़ाई जाती हैं।

गौहर खान, रिधिमा पंडित और अब शिवांगी जोशी, जानें कितनी लड़कियों का दिल तोड़ चुके हैं कुशाल टंडन?

कुशाल टंडन टेलीविजन के मशहूर चेहरों में से एक हैं। उन्होंने अपने अभिनय की शुरुआत सुपरहिट स्टार प्लस सीरियल एक हज़ारों में मेरी बहना है से की थी। बाद में, उन्होंने नच बलिए और बिग बॉस 7 में भाग लिया। उनके अद्भुत अभिनय कौशल और स्मार्ट लुक ने कई लोगों को उनका दीवाना बना दिया। टेलीविजन के दिलों की धड़कन कुशाल टंडन को टीवी की दुनिया के सबसे योग्य कुंवारे लोगों में से एक माना जाता है। अभिनेता अपनी ईमानदारी के लिए जाने जाते हैं और अपनी बात कहने से कभी नहीं डरते। पिछले कुछ सालों में कुशाल अपने शानदार अभिनय के साथ–साथ अपनी डेटिंग लाइफ के लिए भी चर्चा में रहे हैं। अभिनेता प्यार और रिश्ते के बारे में अपने विचार खुलकर रखते हैं। पिछले कुछ सालों में वह गौहर खान और अपनी हम–आई एम बिकॉज ऑफ अस की को–स्टार रिधिमा पंडित के साथ रिलेशनशिप में रहे थे। आइए उनके डेटिंग इतिहास पर एक नजर डालते हैं।

एलेना बोएवा

अभिनेता ने नच बलिए 5 में अपनी बल्गेरियाई मॉडल–अभिनेता गर्लफ्रेंड एलेना बोएवा के साथ भाग लिया था। आखिरकार दोनों अलग हो गए लेकिन दोस्त बने रहे। वास्तव में, कुशाल अक्सर सोशल मीडिया पर उनके साथ तस्वीरें शेयर करते देखे गए।

गौहर खान

शायद टीवी की दुनिया में सबसे चर्चित रिश्तों में से एक। दोनों ने 2013 में टीवी रियलिटी शो बिग बॉस 7 से शुरुआत की थी। उन्हें अक्सर साथ देखा जाता था और यहां तक कि उन्होंने एक्शन–एडवेंचर शो खतरों के खिलाड़ी 5 में भी हिस्सा लिया था। उनका रिश्ता किसी परीकथा जैसा लग रहा था, लेकिन फिर चीजें बिगड़ गईं। दोनों के बीच सोशल मीडिया पर भी झगड़ा हुआ, लेकिन आखिरकार उन्होंने अपनी दोस्ती को फिर से जिंदा कर लिया। हाल ही में गौहर ने जैद दरबार से शादी की और दोनों की मुलाकात कौशल से फ्लाइट में हुई।

रिधिमा पंडित

हालांकि कुशाल और रधिमा ने कहा कि वे किसी रिश्ते में नहीं हैं, लेकिन कई रिपोर्ट्स और सोशल आउटिंग्स ने इसके उलट संकेत दिए। दोनों ने हम–आई एम बिकॉज ऑफ अस नामक वेब सीरीज में साथ काम किया।

कुशाल टंडन शिवांगी जोशी से बेहद प्यार करते थे

कुछ असफल रिश्तों के बाद, कुशाल को आखिरकार अपनी ड्रीम गर्ल मिल ही गई थी। ऐसा लग रहा था है अभिनेता अपनी बरसातें की सह–कलाकार शिवांगी जोशी से बेहद प्यार करते हैं। कुशाल ने आखिरकार शिवांगी को डेट करना स्वीकार कर लिया। उन्होंने यह भी कहा कि उनके माता–पिता की उनके लिए उपयुक्त साथी की तलाश खत्म हो गई है। ऐसा लग रहा है कि हम जल्द ही कुशाल टंडन और शिवांगी जोशी की शादी की घंटियाँ सुन सकते हैं लेकिन आखिर कार वहीं हुआ जो अब तक होता आया था। मशहूर टेलीविज़न एक्टर शिवांगी जोशी और कुशाल टंडन के प्रशंसकों के लिए यह एक युग के अंत जैसा लगता है।

ठंडा सोडा और एनर्जी ड्रिंक पीना पड़ सकता है महंगा, भूलने की बीमारी और डायबिटीज का खतरा बढ़ा

देशभर में ठंडा सोडा, एनर्जी ड्रिंक्स और मीठे पेय पदार्थों का चलन तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन हाल ही में आई एक नई रिपोर्ट ने लोगों को सावधान कर दिया है। इसमें खुलासा हुआ है कि ऐसे पेय पदार्थ न सिर्फ टाइप–2 डायबिटीज (मध् ाुमेह) का खतरा बढ़ाते हैं, बल्कि इससे याद्दाश्त कमजोर होने की गंभीर बीमारी, जैसे अल्जाइमर का खतरा भी हो सकता है।

क्या कहती है स्टडी?

'एडवांस इन न्यूट्रिशन' नाम की एक प्रसिद्ध स्वास्थ्य रिपोर्ट में बताया गया है कि जो लोग रोजाना ठंडे मीठे पेय जैसे कोल्ड ड्रिंक, एनर्जी ड्रिंक, फ्लेवर्ड जूस या मलाईरहित दूध का सेवन करते हैं, उनके शरीर में ब्लड शुगर लेवल (रक्त शर्करा) बढ़ने लगता है। इससे इंसुलिन रेसिस्टेंस भी बढ़ता है, जो दिमाग तक ग्लूकोज पहुंचाने में रुकावट पैदा करता है। और यहीं से अल्जाइमर जैसी भूलने की बीमारी का खतरा शुरू हो जाता है।

डॉक्टरों की चेतावनी

रोजाना सिर्फ 350 मिलीलीटर मीठे शीतल पेय या स्पोर्ट्स ड्रिंक लेने से टाइप 2 डायबिटीज का खतरा 25: तक बढ़ जाता है। यहां तक कि सिर्फ एक ग्लास पीने से ही यह खतरा शुरू हो सकता है। वहीं अगर कोई व्यक्ति रोज 250 मिलीलीटर फलों का रस (भले ही वह 100: शुद्ध हो) पीता है, तो डायबिटीज का खतरा 5: तक बढ़ जाता है। शोधकर्ताओं ने बताया कि डायबिटीज और अल्जाइमर के बीच सीधा संबंध है। जब खून में शुगर की मात्रा ज्यादा होती है और इंसुलिन ठीक से काम नहीं करता, तो दिमाग को ऊर्जा नहीं मिल पाती। इससे याददाश्त पर असर पड़ता है और धीरे–धीरे अल्जाइमर जैसी बीमारी विकसित हो सकती है।

समय पर पहचान और नियंत्रण जरूरी

अगर ब्लड शुगर लेवल को समय रहते कंट्रोल किया जाए और डायबिटीज का जल्दी पता चल जाए, तो भूलने की बीमारी को रोका जा सकता है। इसके लिए स्वस्थ खानपान और नियमित जांच जरूरी है। ठंडा सोडा और एनर्जी ड्रिंक्स पीने से ताजगी तो मिल सकती है, लेकिन यह ध ाीरे–धीरे शरीर के लिए जहर बन सकते हैं। इसलिए सोच–समझकर और सीमित मात्रा में ही इनका सेवन करें, वरना यह आपको 'गजनी' जैसा बना सकते हैं–यानी आपकी याददाश्त ही छिन सकती है।

मुंह के ये छाले बन सकते हैं कैंसर का कारण, जानिए लक्षण और बचाव के उपाय

मुंह के अंदर होने वाले छोटे–छोटे छाले या अल्सर को हम अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं। सोचते हैं कि ये तो कुछ दिन में अपने आप ठीक हो जाएंगे। लेकिन क्या आप जानते हैं कि बार–बार होने वाले या लंबे समय तक न भरने वाले मुंह के अल्सर कैंसर का संकेत भी हो सकते हैं? जी हां, मुंह का कैंसर भारत में सबसे तेजी से बढ़ने वाले कैंसर में से एक है और इसके शुरुआती संकेतों को पहचानना बहुत जरूरी है। इस लेख में हम आपको बताएंगे कि मुंह के अल्सर किन कारणों से होते हैं, कब ये सामान्य होते हैं और कब खतरे का संकेत, साथ ही इसके लक्षण, कारण और बचाव के आसान उपाय भी जानेंगे।

मुंह के अल्सर क्या होते हैं?

मुंह के अल्सर यानी छाले, मुंह के अंदर जीभ, गालों की अंदरूनी त्वचा या मसूड़ों पर होने वाले छोटे घाव होते हैं। ये आमतौर पर सफेद या पीले रंग के होते हैं और इनके चारों ओर लाल रंग की सूजन हो सकती है। ये दर्दनाक हो सकते हैं और खाने–पीने में दिक्कत पैदा कर सकते हैं।

अल्सर सामान्य कब होते हैं?

बहुत गर्म या तीखा खाना खाने से

गलती से जीभ या गाल को काट लेना

दांतों की नुकीली धार या खराब फिटिंग वाले दांत

विटामिन बी12 या आयरन की कमी

तनाव और हार्मोनल बदलाव

दांतों की सफाई ठीक से न करने पर

इस तरह के अल्सर आमतौर पर 7–10 दिन में ठीक हो जाते हैं और इनसे डरने की जरूरत नहीं होती। लेकिन अगर अल्सर 2 हफ्ते से ज्यादा समय तक रहे या बार–बार हो तो डॉक्टर से जांच जरूर करानी चाहिए।

कब सावधान हो जाएं?

मुंह के अल्सर अगर लगातार दो हफ्ते से ज्यादा समय तक ठीक न हों, तो यह सामान्य नहीं माना जाता और गंभीर समस्या का संकेत हो सकता है। ऐसे अल्सर से खून या मवाद निकलना, अत्यधिक दर्द होना, या अल्सर के आसपास की त्वचा का सख्त या मोटा हो जाना खतरे की घंटी हो सकता है। इसके अलावा, अगर आपको बोलने, चबाने या निगलने में परेशानी होने लगे, मुंह से लगातार दुर्गंध आती रहे या गर्दन में किसी तरह की गांठ महसूस हो, तो यह लक्षण मुंह के कैंसर की ओर इशारा कर सकते हैं। इन सभी संकेतों को नजरअंदाज करना आपकी सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है, इसलिए अगर ऐसा कोई भी लक्षण दिखाई दे, तो तुरंत किसी विशेषज्ञ डॉक्टर से संपर्क करना जरूरी है। समय पर जांच और इलाज से गंभीर बीमारियों से बचा जा सकता है।

मुंह के कैंसर के मुख्य कारण

तंबाकू और गुटखा का सेवनः यह मुंह के कैंसर का सबसे बड़ा कारण है।

शराब पीनाः खासकर अगर तंबाकू और शराब दोनों का सेवन किया जाए तो खतरा कई गुना बढ़ जाता है।

ह्यूमन पैपिलोमा वायरसः यह वायरस भी मुंह के कैंसर का कारण बन सकता है।

खराब डेंटल हाइजीनः लंबे समय तक दांतों और मसूड़ों की सफाई न करना।

विटामिन की कमी और कमजोर इम्युनिटी

घरेलू उपाय जो सामान्य अल्सर में मदद करें

सामान्य मुंह के अल्सर में कुछ आसान घरेलू उपाय काफी राहत दे सकते हैं। एक गिलास गुनगुने पानी में चुटकी भर नमक डालकर कुल्ला करना अल्सर को जल्दी भरने में मदद करता है। तुलसी के पत्तों को चबाना भी लाभकारी होता है क्योंकि इसमें एंटीबैक्टीरियल गुण होते हैं। मुंह की सफाई का विशेष ध्यान रखें, नियमित रूप से ब्रश करें और जीभ की सफाई करना न भूलें। अपने आहार में खट्टे फल जैसे संतरा, आंवला और विटामिन बी12 से भरपूर चीजों को शामिल करें। साथ ही, बहुत ज्यादा मसालेदार या गरम खाना खाने से परहेज करें, ताकि अल्सर और ज्यादा न बढ़े और जल्दी ठीक हो जाएं।

ध्यान देंः ये उपाय केवल सामान्य अल्सर के लिए हैं, अगर अल्सर कैंसर का संकेत हों तो इनसे फायदा नहीं होगा, बल्कि देर करना खतरनाक हो सकता है।

बचाव कैसे करें?

तंबाकू, गुटखा और बीड़ी से दूर रहें।

नियमित रूप से दांतों की सफाई करें और डेंटिस्ट से जांच करवाएं।

संतुलित आहार लें जिसमें हरी सब्जियां, फल, विटामिन और मिनरल्स भरपूर हों।

शराब का सेवन कम करें या न करें।

अगर मुंह में कोई भी घाव 2 हफ्ते से ज्यादा समय तक ठीक न हो, तो तुरंत डॉक्टर को दिखाएं।

मुंह के अल्सर को हल्के में न लें। हर साल हजारों लोग सिर्फ इस वजह से मुंह के कैंसर का शिकार हो जाते हैं क्योंकि उन्होंने समय रहते लक्षणों को पहचाना नहीं। यदि अल्सर बार–बार होते हैं या लंबे समय तक ठीक नहीं होते, तो यह आपके शरीर की चेतावनी हो सकती है।

सावधानी ही बचाव है। अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहें और किसी भी लक्षण को नजरअंदाज न करें। मुंह के अल्सर मामूली भी हो सकते हैं और गंभीर भी दृ फर्क करना और सही समय पर डॉक्टर से मिलना आपकी सेहत को बचा सकता है।

अगर यह जानकारी आपको उपयोगी लगी हो, तो इसे दूसरों के साथ जरूर शेयर करें, ताकि वे भी समय रहते सतर्क हो सकें।

परफेक्ट तरीके से बेसन लड्डू बनाने के लिए फॉलो करें ये टिप्स

ऐसे बहुत से लोग होते हैं, जिन्हें मीठा खाना काफी पसंद होता है। अक्सर वे ना केवल बाजार से मिठाई लाकर खाते हैं, बल्कि घर पर भी मीठा बनाते हैं। अगर आप भी मीठे के दीवाने हैं और बेसन के लड्डू आपके फेवरिट हैं तो मुंह में घुल जाने वाली इस मिठाई को खुद घर पर ही बना सकते हैं। बेसन के लड्डू बनाना काफी आसान है, लेकिन इस सिंपल सी दिखने वाली रेसिपी में भी कई बार लड्डू बनाते वक्त कुछ छोटी–छोटी गलतियां हो जाती हैं। कभी बेसन जल जाता है, तो कभी लड्डू अच्छी तरह से बंधते नहीं है। हो सकता है कि आप भी घर पर बेसन के लड्डू बना रहे हों और आपके सामने यही दिक्कतें आ रही हों। ऐसे में आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे ही छोटे–छोटे टिप्स के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें आप घर पर बेसन के लड्डू बनाते समय फॉलो कर सकते हैं–

तेज आंच पर ना भूनें बेसन

अक्सर यह देखने में आता है कि जब लोग बेसन के लड्डू बनाते हैं तो बेसन को तेज आंच पर भूनने लग जाते हैं। हालांकि, ऐसा करने से बेसन भूनने की जगह जलने लगता है। इसलिए, आपको हमेशा धीमी आंच पर ही बेसन को भूनना चाहिए। जब हल्की सी खुशबू आए और बेसन का रंग सुनहरा होने लगे, तो समझे कि बेसन अच्छी तरह से भूनने लगा है।

सही समय पर डालें घी

बेसन के लड्डू बाते समय घी डालने की टाइमिंग भी काफी मैटर करती है। कई बार लोग घी में पहले ही सारा घी डाल देते हैं। लेकिन आप स्टार्टिंग में थोड़ा घी डालो ताकि बेसन अच्छे से भुने। इसके बाद आप बीच में ही थोड़ा–थोड़ा करके घी डालते रहो।

बैटर को ठंडा ना होने दें

बेसन के लड्डू में शक्कर अच्छी तरह घुल जाए, इसके लिए जरूरी है कि आपका भुना हुआ बेसन हल्का गरम ही हो। अगर आपका बेसन एकदम ठंडा हो जाएगा तो इससे उसमें शक्कर अच्छी तरह मिक्स नहीं होता है। वहीं, अगर आप गरम बेसन में शक्कर मिक्स करते हैं तो इससे लड्डू भी बाइंड अच्छी तरह होंगे। साथ ही, इस बात का भी ख्याल रखें कि आप दानेदार चीनी की जगह बूरा या फिर पिसी हुई शक्कर डालकर मिक्स करें। दानेदार शक्कर का इस्तेमाल करने से लड्डू खाते समय वह मुंह में किरकिरा महसूस होगा।

पोल्का डॉट साड़ी से बनाएं खूबसूरत ड्रेस, लगेंगे क्लासी और खूबसूरत

आजकल पोल्का डॉट साड़ी काफी चलन में हैं। ऐसे में ज्यादातर महिलाओं के पास यह साड़ी देखने को मिल जाएगी। हालांकि दो–तीन बार एक साड़ी को पहनने के बाद ज्यादातर महिलाएं इन्हें किसी और को दे देती हैं या फिर उस साड़ी को फेंक देती हैं। ऐसे में आपके पास भी इस तरह की पोल्का डॉट साड़ी हैं और अब इन साड़ियों को आप नहीं पहनती हैं। तो आप इन साड़ियों के इस्तेमाल से डिजाइनर ड्रेस तैयार कर सकती हैं। ऐसे में आप इन ड्रेसेज को पहनकर काफी खूबसूरत लगेंगी। इसलिए आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको पोल्का साड़ी से बनने वाली ड्रेस के बारे में बताने जा रहे हैं।

पोल्का डॉट वन शोल्डर मिडी ड्रेस

अगर आपके पास ब्लैक एंड व्हाइट कलर की पोल्का डॉट साड़ी है। तो इसका इस्तेमाल करके पोल्का डॉट वन शोल्डर मिडी ड्रेस तैयार कर सकती हैं। इस ड्रेस के साथ मेकअप, एक्सेसरीज और हील्स भी शामिल कर सकती हैं। इस ड्रेस को पहनकर आपका लुक गॉर्जियस लगेगा।

प्रिंटेड फिट एंड फ्लायर ड्रेस

आप किसी भी पोल्का डॉट साड़ी के इस्तेमाल से प्रिंटेड फिट एंड फ्लायर ड्रेस बना सकती हैं। इस ड्रेस को आप किसी भी फंक्शन में भी जा सकती हैं। आप टेलर की मदद से या खुद से इसको अपनी साइज के हिसाब से बनवा सकती हैं। वहीं मेकअप और हेयर स्टाइल से अपने लुक की खूबसूरती को बढ़ा सकती हैं।

नेवी ब्लू पोल्का डॉट प्रिंटेड ड्रेस

अगर आप भी भीड़ से हटकर नजर आना चाहती हैं तो आप पोल्का डॉट साड़ी का इस्तेमाल कर नेवी ब्लू पोल्का डॉट प्रिंटेड ड्रेस तैयार करवा सकती हैं। यह आपके लुक में चार चांद लगाने का काम करेगा। वहीं आप चाहें तो इस ड्रेस को घर पर भी तैयार कर सकती हैं। आप इस ड्रेस को पहनकर क्लासी और मॉर्डन लुक क्रिएट कर सकती हैं।

पोल्का डॉट लेयर्ड मिडी ड्रेस

आप चाहें को अपनी किसी भी पोल्का डॉट साड़ी का इस्तेमाल कर पोल्का डॉट लेयर्ड मिडी ड्रेस को बना सकती हैं। इसको पहनकर आप किसी खूबसूरत हसीना से कम नहीं लगेंगे। यह रेट्रो लुक की तरह है, जिसको आप रीक्रिएट कर 90 की अभिनेत्री की तरह दिख सकती हैं। आपके इस लुक को देखकर घर में मौजूद सभी लोग आपकी तारीफ करने पर मजबूर हो जाएंगे।

संक्षिप्त

Vishal Mega Mart block deal:
10,488 करोड़ रुपये के शेयर में 7% की गिरावट

विशाल मेगा मार्ट के लिए मंगलवार का दिन कई उतार चढ़ाव वाला रहा। विशाल मेगा मार्ट कपंनी के शेयर में इन्वेस्टर्स की बड़ी सेलिंग दिखाई दे रही है। इस कारण कंपनी के शेयर आठ फीसदी टूट गए है। शेयर अब निचले स्तर पर कारोबार कर रहे है। अब विशाल मेगामार्ट का शेयर 113 रुपये के स्तर पर पहुंचा है, जो नीचे गिर गया है। बीते शुक्रवार को विशाल मेगा मार्ट के शेयर 124 रुपये पर कारोबार कर रहे थे। अब आपको लग रहा होगा कि विशाल मेगा मार्ट के शेयर में ये गिरावट क्यों देखने को मिली है। इसके पीछे भी एक खास वजह है जिसे जानते है। विशाल मेगा मार्ट के शेयर मंगलवार के सत्र में तेजी देखने को मिली है। इस तेजी के पीछे भी बड़ा कारण है। इस तेजी के पीछे ब्लॉक डील को कारण माना जा रहा है। दरअसल विशाल मेगा मार्ट के प्रमोटर समयात सर्विसेज ने ब्लॉक डील के जरिए विशाल मेगा मार्ट कंपनी के 20 फीसदी इक्विटी शेयर को ब्लॉक डील के जरिए सेल किया है। ये एक बड़ी बिकवाली है। इससे निवेशकों का मूड काफी ऑफ हो गया है। इसके बाद ही बिकवाली बढ़ी है। विशाम मेगा मार्ट के 20 फीसदी शेयर के कारण 91 करोड़ विशाल मेगामार्ट के शेयर से है। ये भी संभावना है कि पूरे ब्लॉक डील की कीमत 10488 करोड़ रुपए हो गई है। बता दें कि विशाल मेगा मार्ट के हर एक शेयर का भाव 115 रुपये पर हो गया है। बता दें कि विशाल मेगा मार्ट कंपनी के करीब 74.55: शेयर को समयात सर्विसेज लिमिटेड के पास है। ये आंकड़ा 2025 तक का है। विशाल मेगा मार्ट मिडकैप रिटेल आउटलेट कंपनी है। ये भारत के शेयर बाजार में 18 दिसंबर 2024 को लिस्ट हुई है। कंपनी का मार्केट कैपीटलाइजेशन 58,096 करोड़ रुपये पर पहुंच चुका है।

घरेलू शेयर बाजार की सपाट शुरुआत, लाल और हरे निशान के बीच झूलते दिखे सेंसेक्स-निफ्टी

मुंबई। घरेलू शेयर बाजार में मंगलवार को सपाट शुरुआत देखी गई। लाल निशान पर खुला बाजार हरे निशान पर भी आया, लेकिन यह हरियाली ज्यादा देर नहीं टिकी। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 127.02 अंक गिरकर 81,669.13 पर आ गया, जबकि निफ्टी 55 अंक गिरकर 24,891.50 पर पहुंचा। ऐसे ही अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 8 पैसे बढ़कर 85.96 पर खुला।

इस्राइल–ईरान संघर्ष के बीच गिरावट

बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में मंगलवार को शुरुआती कारोबार में गिरावट दर्ज की गई, जबकि पिछले सत्र में इसमें तेजी दर्ज की गई थी। निवेशकों में इस्राइल और ईरान के बीच चल रहे संघर्ष के मद्देनजर सतर्कता इस गिरावट की वजह हो सकती है। विशेषज्ञों ने कहा कि निवेशक इस सप्ताह के अंत में अमेरिकी फेड की ओर से ब्याज दर के फैसले से पहले भी अलग–थलग रहना पसंद कर रहे हैं।

किसे फायदा–किसे नुकसान?

30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 127.02 अंक गिरकर 81,669.13 अंक पर आ गया। 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 55 अंक गिरकर 24,891.50 अंक पर आ गया। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में इंडसइंड बैंक, टाटा मोटर्स, टाइटन, बजाज फाइनेंस, सन फार्मा और अल्ट्राटेक सीमेंट पिछड़ते नजर आए। ऐसे ही कोटक महिंद्रा बैंक, एक्सिस बैंक, एनटीपीसी और अदानी पोट्र्स सबसे ज्यादा फायदे में रहे। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने सोमवार को 2,539.42 करोड़ रुपये के इक्विटी बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 5,780.96 करोड़ रुपये के इक्विटी खरीदे।

एशियाई और अमेरिकी बाजारों का हाल

एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कोस्पी और जापान का निक्केई 225 सूचकांक सकारात्मक रुख के साथ कारोबार कर रहे थे, जबकि शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग लाल निशान पर देखे गए। सोमवार को अमेरिकी बाजार बढ़त के साथ बंद हुए।

2010 से भारत के निर्यात में जबरदस्त उछाल; 200 कोयला ब्लॉक का आवंटन पूरा

नई दिल्ली। मंगलवार को कोयला मंत्रालय ने बताया कि उन्होंने अब तक 200 कोयला ब्लॉक का आवंटन कर दिया। सरकार ने सेक्टर सुधार की भी पुष्टि की। बयान में कहा कि मध्य प्रदेश के मरवाटोला–2 कोयला ब्लॉक को सिंघल बिजनेस प्राइवेट लिमिटेड को आवंटित किया गया। सरकार सेक्टर सुधार, निजी क्षेत्र की भागीदारी और कोयला उत्पादन में आत्मनिर्भरता को भी बढ़ावा दे रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने साल 2020 में नीलामी प्रक्रिया की शुरुआत की थी, जिसमें 41 ब्लॉक का आवंटन किया गया। इसके साथ ही कोयला खनन क्षेत्र में निजी क्षेत्र के लिए रास्ते खुले।

श्रीलंका ने फ्रांस के साथ की ऋण पुनर्गठन की डील

श्रीलंका ने फ्रांस के साथ ऋण पुनर्गठन समझौता किया है। यह ऋण 39 करोड़ यूरो का है। श्रीलंका के वित्त मंत्रालय ने इसे देश की आर्थिक दृष्टि से मील का पत्थर समझौता बताया। समझौते पर सोमवार को हस्ताक्षर हुए। फ्रांस, श्रीलंका का चौथा सबसे बड़ा सार्वजनिक ऋणदाता है।

बारिक सोने की खदान पर माली का कब्जा

माली के एक जज ने सोमवार को कनाडा के मालिकाना हक वाली बारिक सोने की खदान पर नियंत्रण का आदेश दिया। दरअसल माली की सरकार और कनाडा की खनन कंपनी के बीच टैक्स को लेकर विवाद है। बारिक खदान माली की सबसे बड़ी सोने की खदान है। इसे दुनिया की शीर्ष 10 सोने की खदानों में शुमार किया जाता है। कनाडा की कंपनी पर आरोप है कि उसने टैक्स का भुगतान नहीं किया। साथ ही आरोप है कि पिछली सरकार ने गलत तरीके से कनाडा की कंपनी को इस खदान का ठेका दिया। इस मामले में बीते साल दिसंबर में कंपनी के सीईओ मार्क ब्रिस्टो के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी हुआ था। जिसके बाद कंपनी ने माली की सरकार को 37 करोड़ डॉलर का भुगतान किया था।

इंग्लैंड में सबसे सफल भारतीय कप्तान कौन

साल	सीरीज का नतीजा	मैच संख्या
2002	सीरीज 1-1 से ड्रॉ	4
2007	भारत 1-0 से जीता	3
2011	इंग्लैंड 4-0 से जीता	4
2014	इंग्लैंड 3-1 से जीता	5
2018	इंग्लैंड 4-1 से जीता	5
2021	सीरीज 2-2 से ड्रॉ	5
2025	?	?

नई दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज की शुरुआत 20 जून से होने जा रही है। पहला मुकाबला लीड्स में खेला जाएगा। नए कप्तान शुभमन गिल के नेतृत्व में टीम इंडिया में एक नई शुरुआत करेगी। हालांकि, एक युवा टीम इंडिया के लिए यह चुनौती आसान नहीं रहने वाली है क्योंकि इंग्लैंड की टीम बदलाव के दौर से गुजर चुकी है और उनकी जमीन पर उन्हें हराना आसान नहीं होगा। भारतीय टीम इंग्लैंड की धरती पर 2007 के बाद से कोई टेस्ट सीरीज नहीं जीत सकी है। 2007 में राहुल द्रविड़ की कप्तानी में भारत ने तीन मैचों की सीरीज में 1–0 से जीत हासिल की थी। इसके बाद भारतीय टीम वहां 2011, 2014, 2018 और 2021 में भी दौरे पर गई, लेकिन सीरीज नहीं जीत सकी। अब गिल एंड कंपनी पर 18 साल के सूखे को खत्म करने की जिम्मेदारी होगी। इसी कड़ी में हम आपको इंग्लैंड में भारत के सर्वश्रेष्ठ कप्तान के बारे में बता रहे हैं। इसके साथ ही इंग्लैंड के खिलाफ सर्वश्रेष्ठ पारी खेलने वाले भारतीय और सर्वश्रेष्ठ छक्के लगाने वाले भारतीय के बारे में भी बताएंगे. ..भारत–इंग्लैंड टेस्ट में सबसे ज्यादा औसत

भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट में (कम से कम 1500 रन बनाने वाले बल्लेबाजों में) सबसे ज्यादा औसत से रन बनाने का रिकॉर्ड किसी अंग्रेज के नाम नहीं, बल्कि भारत के श्दीवारश के नाम है। राहुल द्रविड़ ने भारत–इंग्लैंड टेस्ट में सबसे ज्यादा औसत से रन बनाए हैं। उनका औसत 60.93 का है। वहीं, इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर केविन पीटरसन हैं। उनका औसत 58.55 का है। इसके बाद 58.08 के औसत के साथ जो रूट, 55.64 के औसत के साथ ग्राहम गूच और 51.73 के औसत के साथ सचिन तेंदुलकर का नंबर आता है। भारत–इंग्लैंड टेस्ट में शीर्ष पांच औसत वाले बल्लेबाजों में रूट ही एकमात्र एक्टिव खिलाड़ी हैं।

भारत–इंग्लैंड टेस्ट में सबसे ज्यादा छक्के

वहीं, भारत–इंग्लैंड के बीच टेस्ट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले खिलाड़ियों की बात करें तो यशस्वी जायसवाल इसमें शीर्ष पर हैं। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ केवल नौ पारियों में 26 छक्के जड़ दिए हैं। इतना ही नहीं, यशस्वी इंग्लिश टीम के खिलाफ दो दोहरे शतक भी लगा चुके हैं। इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर महान इयान बॉथम हैं। बॉथम ने भारत के खिलाफ 24 छक्के लगाए हैं। 21–21 छक्कों के साथ ऋषभ पंत और कपिल देव संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर हैं।

भारत–इंग्लैंड टेस्ट में सर्वश्रेष्ठ पारी

वहीं, बात करें भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट में सर्वश्रेष्ठ पारी खेलने वाले बल्लेबाजों के बारे में तो इस लिस्ट में महान ग्राहम गूच शीर्ष स्थान पर हैं। हालांकि, करुण नायर भारत की ओर से सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज हैं। उनके अलावा किसी भारतीय ने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट में अब तक तिहरा शतक नहीं लगा पाया है। करुण ने 2016 में इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में टेस्ट डेब्यू किया था। इसी सीरीज में उन्होंने अपनी तीसरी पारी में नाबाद 303 रन की पारी खेली थी। भारत–इंग्लैंड के बीच टेस्ट में यह ग्राहम गूच के 333 रन के बाद दूसरी सर्वश्रेष्ठ पारी है। एलिस्टेयर कुक की 294 रन की पारी तीसरे, ज्यॉफ्री बॉयकॉट की नाबाद 246 रन की पारी चौथे, इयान बेल की 235 रन की पारी पांचवें और विराट कोहली की 235 रन की पारी छठे स्थान पर है। इंग्लैंड की धरती पर किसी भारतीय का टेस्ट में हाईएस्ट स्कोर 221 रन का है, जो गावस्कर ने बनाए थे। द्रविड़ 217 रन की पारी के साथ दूसरे और सचिन तेंदुलकर 193 रन के साथ तीसरे स्थान पर है।

इंग्लैंड में उसके खिलाफ सबसे ज्यादा जीत (भारतीय कप्तान)

भारत ने भले ही 2007 के बाद इंग्लैंड में कोई टेस्ट सीरीज न जीती हो, लेकिन उस देश में सबसे सफल भारतीय कप्तान के मामले में विराट कोहली शीर्ष पर हैं। कोहली की कप्तानी में भारत ने इंग्लैंड में नौ टेस्ट खेले और इसमें से तीन में जीत हासिल की। पांच टेस्ट में भारत को हार का सामना करना पड़ा, जबकि एक टेस्ट ड्रॉ रहा। वहीं, कोहली के बाद कपिल देव और राहुल द्रविड़ का नंबर आता है। कपिल की कप्तानी में भारत ने इंग्लैंड में तीन में से दो टेस्ट जीते और एक टेस्ट ड्रॉ रहा। राहुल द्रविड़ ने इंग्लैंड में सिर्फ तीन टेस्ट में कप्तानी की है और एक जीता है, जबकि दो ड्रॉ रहे थे। 2007 में तीन मैचों की सीरीज के दौरान द्रविड़ ने कप्तानी की थी और भारत ने वह सीरीज 1–0 से अपने नाम की थी।

भारत–इंग्लैंड टेस्ट में सबसे ज्यादा रन

भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की बात करें तो लिस्ट में जो रूट सबसे आगे हैं। उन्होंने दोनों देशों के बीच मुकाबले में भारत के खिलाफ सबसे ज्यादा 2846 रन (30 मैचों की 55 पारियों में) बनाए हैं। इस दौरान उनका औसत 58.08 का रहा है। इनमें 10 शतक और 11 अर्धशतक शामिल हैं। वहीं, दूसरे नंबर पर सचिन तेंदुलकर हैं।

छोटे देशों को बढ़ावा देने के लिए ICC 4 दिवसीय टेस्ट को देगा मंजूरी

भारत, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड अभी 5 दिन ही रहेंगे जारी

आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चौंपियनशिप में चार दिवसीय टेस्ट को लेकर मंजूरी देने के लिए तैयार है, जिससे छोटे देशों को ज्यादा खेल और लंबी सीरीज खेलने में मदद मिल सके। मौजूदा ॅज्ब चक्र में आईसीसी द्वारा केवल पांच दिवसीय टेस्ट मैच की ही मंजूरी दी गई है। यही कारण है कि छोटी सीरीज पर जोर दिया गया है। मौजूदा डब्ल्यूटीसी चक्र की शुरुआत मंगलवार 17 जून को श्रीलंका और बांग्लादेश के बीच 2 टेस्ट मैचों की सीरीज से हुई। WTC 2025-27 चक्र में हिस्सा लेने वाले 9 देशों के बीच खेली जाने वाली 27 में से 17 टेस्ट सीरीज में केवल 2–2 मैच होंगे। इसके अलावा 6 सीरीज 3–3 टेस्ट मैच की होगी, जबकि इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया और भारत सभी एक दूसरे के खिलाफ 5–5 मैच की 1–1 टेस्ट सीरीज खेलेंगे। द गार्डियन समाचार पत्र के अनुसार पिछले हफ्ते लॉर्ड्स में डब्ल्यूटीसी फाइनल के दौरान चर्चा में आईसीसी अध्यक्ष जय शाह ने 2027–29 के डब्ल्यूटीसी चक्र के लिए चार दिवसीय टेस्ट के लिए अपना समर्थन व्यक्त किया था। इसमें कहा गया है कि, इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया और भारत को तब भी एशेज, बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी और तेदुंलकर–एंडरसन ट्रॉफी की शुरुआत शुक्रवार को हेडिंग्ले में इंग्लैंड और भारत के बीच पहले टेस्ट मैच के साथ होगी। आईसीसी ने पहली बार 2017 में द्विपक्षीय मुकाबलों के लिए चार दिवसीय टेस्ट को मंजूरी दी थी।

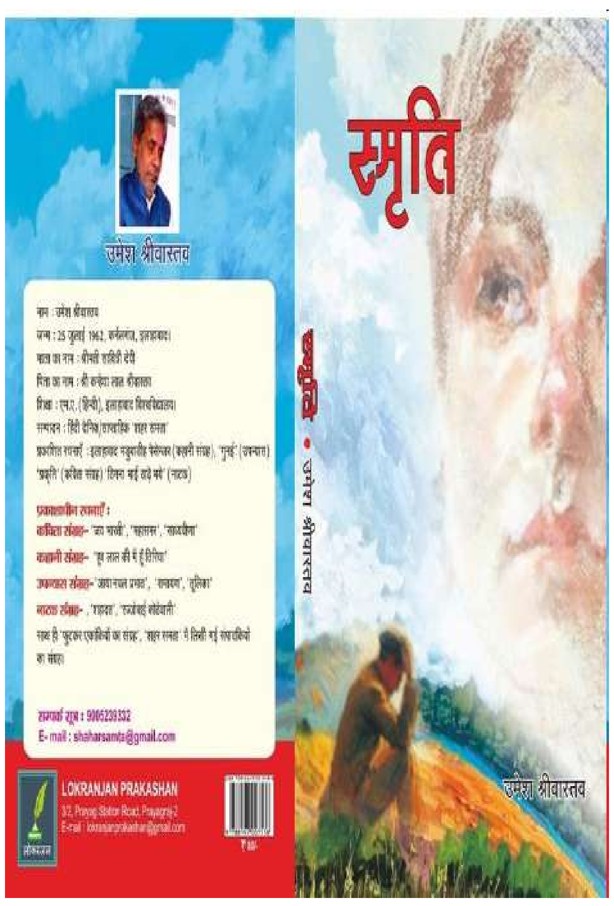

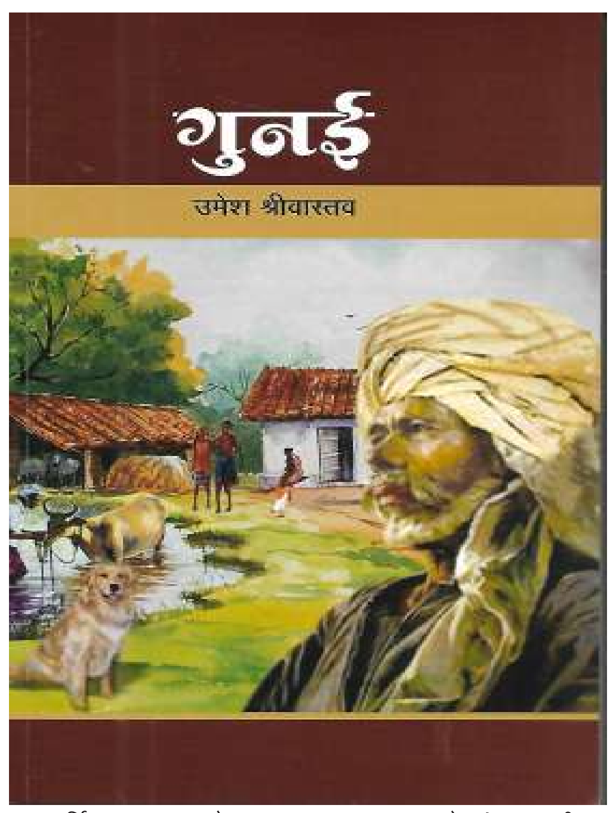

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

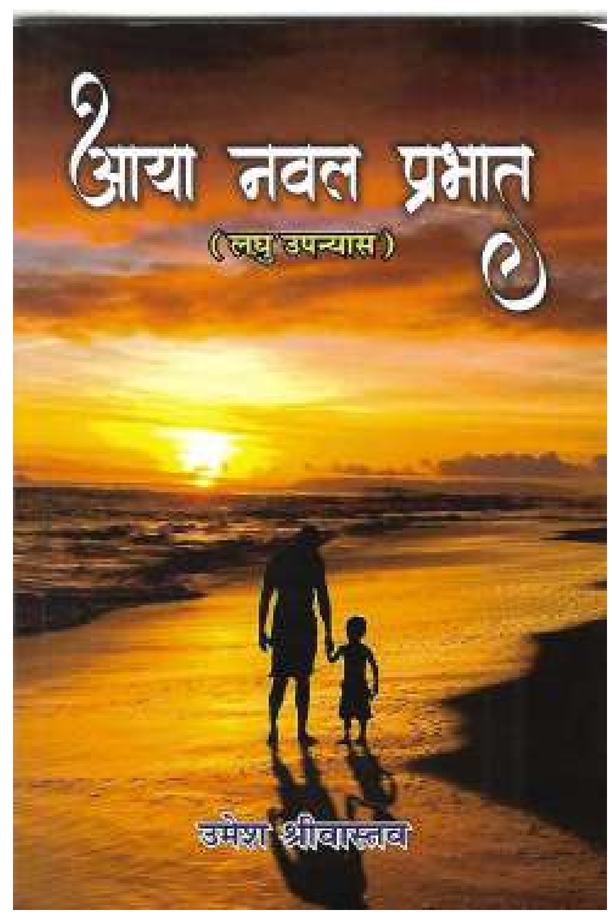

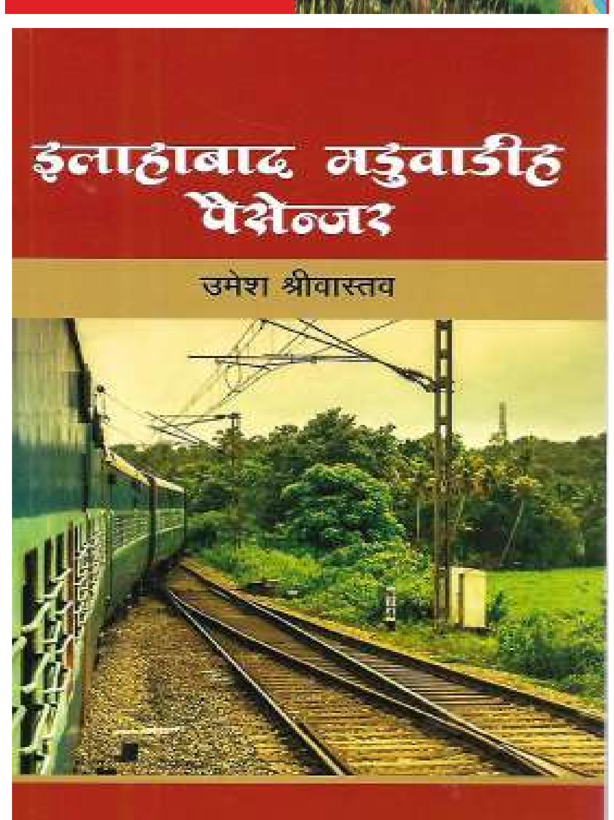

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

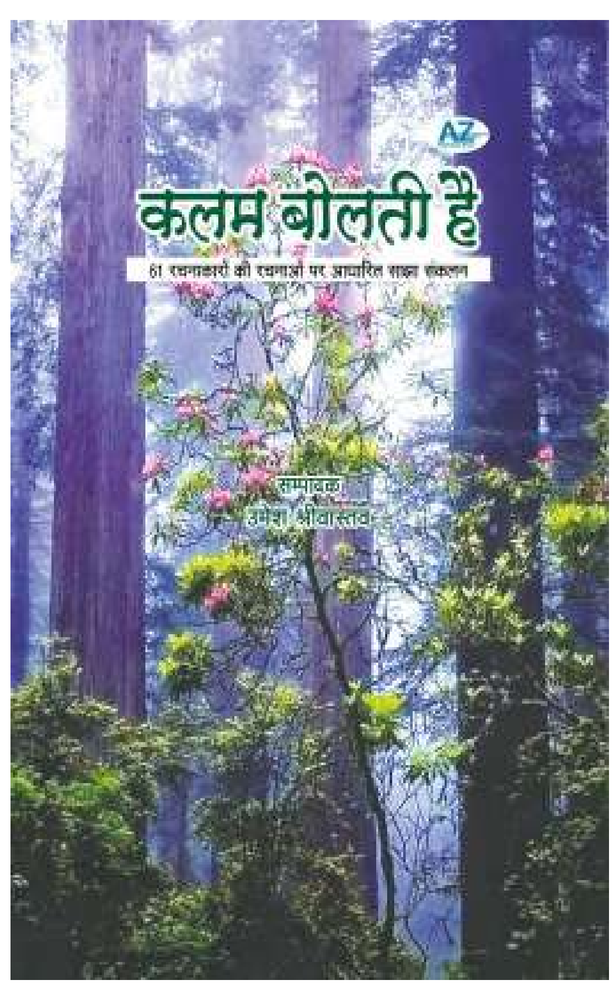

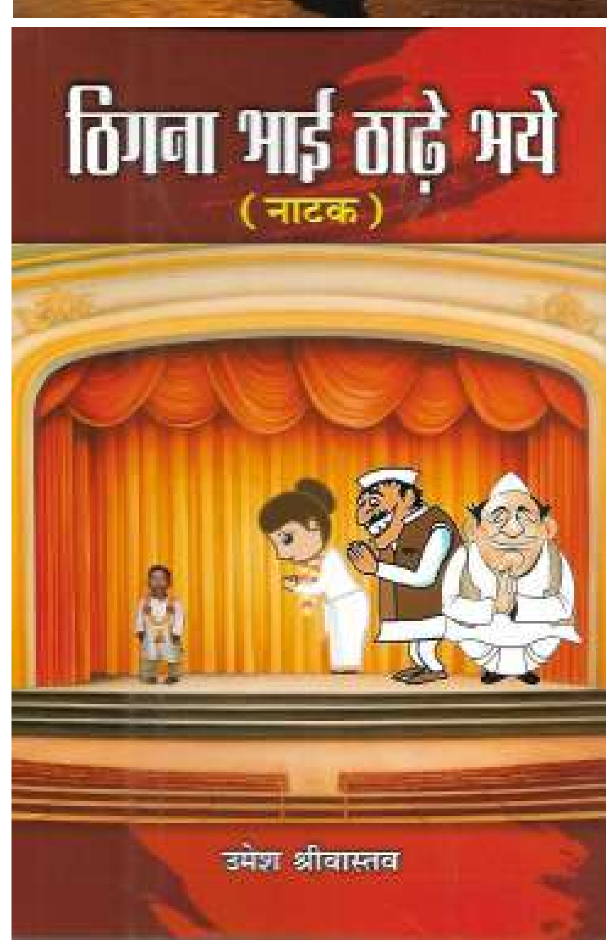

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

लाइव न्यूज पढ़ रही थी ईरानी एंकर, अचानक आ गिरी मिसाइल

एक और दिन गुजर गया और ईरान व इजरायल के बीच का तनाव अभी भी खत्म नहीं हो रहा है। ईरान पर लगातार इजरायल के ताबड़तोड़ हमले हो रहे हैं। जवाब में ईरान भी लगातार इजरायल को जवाब दे रहा है। इन सब के बीच एक ऐसी घटना लाइव टीवी पर कैप्चर हुई है, जिसने पूरी दुनिया के रौंगटे खड़े कर दिए हैं। लाइव टीवी पर एंकर हर दिन की तरह न्यूज पढ़ रही थी और इसी बीच टीवी स्टूडियो पर जबरदस्त एयरस्ट्राइक ने पूरी दुनिया का ध्यान खींच लिया।

ट्रंप ने सोशल मीडिया पर चेतावनी देते हुए कहा कि सभी को तुरंत तेहरान खाली कर देना चाहिए! इसके तत्काल बाद ट्रंप ने शिखर सम्मेलन छोड़कर जाने का फैसला किया। जब ट्रंप ने जी–7 के अन्य नेताओं के साथ तस्वीर खिंचवाई, तो उन्होंने केवल इतना कहा कि मेरा वापस जाना बेहद जरूरी है। मेजबान देश कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने कहा कि मैं राष्ट्रपति की मौजूदगी के लिए बहुत आभारी हूं और मैं स्थिति को समझता हूं। ईरान के सरकारी टीवी चौनल इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान न्यूज नेटवर्क ने कहा है कि उस पर इस्राइल ने हमला किया है। इसका विडियो भी वायरल हो गया। हमला तब हुआ जब महिला न्यूज एंकर लाइव शो में थीं। हमला होते ही वह खुद को बचाती दिखीं। इसके बाद जलती हुई सरकारी टीवी की इमारत के विडियो भी वायरल हो गए। हमले के कुछ मिनट बाद तक ऑफ एयर रहने के बाद सरकारी टीवी का प्रसारण शुरू हो गया। वहीं, न्यूक्लियर साइट्स को निशाना बनाए जाने के बीच ईरान ने संकेत दिया है कि वह परमाणु अप्रसार संधि (छच्ञ्) से बाहर निकलने की दिशा में बढ़ सकता है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि संसद के कुछ सदस्य एक विधेयक तैयार कर रहे हैं, जिसके तहत छच्ञ् से बाहर निकलने का प्रस्ताव रखा जाएगा।

जी–7 में पीएम मोदी, खालिस्तान ने बनाई हमले की योजना, कहां एकत्ता हुए अलगाववादी समूह के सदस्य

दुनिया के शक्तिशाली देशों का जमावड़ा रॉकीज के मंच परदेखने को मिल रहा है। कनाडा में जी7 शिखर सम्मेलन में पीएम मोदी भी हिस्सा ले रहे हैं। जी7 वैश्विक मुद्दों पर चर्चा के लिए एक महत्वपूर्ण मंच है। भारत को इस सम्मेलन में विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। जो वैश्विक मंच पर देश के बढ़ते कद को दर्शाता है। पीएम मोदी के इस समिट में शामिल होने से जहां एक तरफ पाकिस्तान को एक तरफ मिर्ची लग रही है तो वहीं दूसरी तरफ खालिस्तानी भी बौखला गए हैं। इसलिए उन्होंने पीएम मोदी को धमकी दी है। इतना ही नहीं पीएम मोदी के दौरे के बीच खालिस्तानियों ने रोड शो भी निकाल लिया और जमकर देश विरोधी नारे लगाए। खालिस्तानी चरमपंथी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ़ प्रदर्शन करने के लिए अल्बर्टा के कनानास्किस में एकत्र हुए। प्रधानमंत्री मोदी वर्तमान में साइप्रस, कनाडा और क्रोएशिया को कवर करते हुए तीन देशों की चार दिवसीय यात्रा पर हैं। अपने दौरे के दूसरे चरण के लिए वे आज कनाडा पहुँचे। कनाडा में अपने प्रवास के दौरान, उनके मार्क कार्नी के साथ द्विपक्षीय बैठकें करने की उम्मीद है। प्रधानमंत्री मोदी शिखर सम्मेलन के दौरान जर्मनी, इटली और यूक्रेन के अपने समकक्षों के साथ द्विपक्षीय बैठकें भी करेंगे। कनाडाई पत्रकार डैनियल बोर्डमैन ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा से पहले, कैलगरी में खालिस्तानी अलगाववादियों के एक समूह ने मोदी विरोधी प्रदर्शन किया, जिसमें कनाडाई प्रधानमंत्री मार्क कार्नी से मोदी राजनीति को खत्म करने और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से भारत की राजनीति को खत्म करने का आह्वान किया गया। बोर्डमैन ने यह भी कहा कि कुछ प्रदर्शनकारियों ने भारतीय झंडे पर आक्रामक तरीके से पैर रखा और उसे फाड़ दिया। न्होंने यह भी कहा कि शोरगुल के बीच, तीन माइक्रोफोन एक साथ बज रहे थे, हर कोई ध्यान आकर्षित करने की होड़ में था। बोर्डमैन ने कहा कि हवा में असंगत चीखें गूंज रही थीं, जबकि किसी ने भारतीय झंडे पर आक्रामक तरीके से पैर रखा – इन विरोध प्रदर्शनों का एक पुराना मुख्य हिस्सा। र्डमैन के अनुसार, चरमपंथियों ने एक नया मोदी विरोधी गीत भी बनाया। उन्होंने कहा कि इस गीत ने कनाडा में स्वीकार्य चीज़ों की सीमाओं को आगे बढ़ाया।

डोनाल्ड ट्रंप की चेतावनी- तुरंत खाली करें तेहरान, इजराइल कुछ बड़ा प्लान कर रहा!

इजराइल और ईरान के बीच मंगलवार 17 जून को लगातार पांचवें दिन मिसाइलों हमले हुए। तेहरान की हालत काफी खराब हो गयी है। इजराइल लगातार मिसाइम हमले कर रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जी7 शिखर सम्मेलन को जल्दबाजी में छोड़ दिया था। उन्होंने तेहरान के निवासियों को ष्तुरंत खाली करनेष की सख्त चेतावनी जारी की। ईरान के प्रति इजराइली शत्रुता जारी रहने की आशंका है, लेकिन उन्होंने इस बारे में और अधिक जानकारी नहीं दी। तनाव कम करने के लिए बढ़ते अंतरराष्ट्रीय दबाव के बावजूद, ईरान और इजराइल शुक्रवार से शुरू हुए हमले को जारी रखने के लिए दृढ़ संकल्पित दिखाई दिए, जब इजराइल ने ईरानी परमाणु और सैन्य स्थलों पर हवाई हमलों की एक व्यापक लहर शुरू की। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप

ने सोमवार को सोशल मीडिया पर अपने एक पोस्ट में सभी से तेहरान तत्काल खाली करने का आग्रह किया। ट्रंप ने जिस वक्त यह बात कही, तब वह कनाडा में जी–7 शिखर सम्मेलन में भाग ले रहे थे। ट्रंप ने दिन में कई बार यह बात दोहराई कि ईरान परमाणु हथियार नहीं बना सकता। उन्होंने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में फिर से इस बात पर ज़ोर दिया, जिसमें उन्होंने लिखा, '' ईरान परमाणु हथियार नहीं बना सकता।'' उन्होंने कहा कि ईरान को समझौते पर हस्ताक्षर कर देना चाहिए था। ट्रंप ने अपने पोस्ट में अंत में कहा, ''सभी को तत्काल तेहरान खाली कर देना चाहिए।'' तेहरान में करीब 95 लाख लोग रहते हैं। सोमवार को इजराइली सेना ने वहां से लोगों को चले जाने की चेतावनी दी थी। इससे मध्य तेहरान के एक हिस्से में 330,000 लोग प्रभावित हुए है। इस हिस्से में देश का सरकारी टीवी और पुलिस मुख्यालय, साथ ही तीन बड़े अस्पताल हैं, जिनमें से एक ईरान के अर्धसैनिक बल रिवोल्यूशनरी गार्ड का है। इजराइल ने सोमवार को ईरान के सरकारी टेलीविजन स्टेशन पर सीधे प्रसारण के दौरान हमला किया, जिससे विस्फोट के बाद एक रिपोर्टर को कैमरा छोड़कर भागना पड़ा। यह हमला ईरान की ओर से इजराइल पर मिसाइलों की एक नई श्रृंखला दागे जाने के बाद हुआ, जिसमें कम से कम आठ लोग मारे गए। इस बीच इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि इजराइली हमलों ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम को ''काफी लंबे समय के लिए पीछे धकेल दिया है।'' उन्होंने कहा कि इजराइल ईरानी सरकार को गिराने का प्रयास नहीं कर रहा है। साथ ही उन्होंने कहा कि अगर हमलों के परिणामस्वरूप ऐसा होता है तो उन्हें कोई आश्चर्य नहीं होगा। नेतन्याहू ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'शासन बेहद कमज़ोर है।'' उन्होंने यह भी कहा कि वे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ प्रतिदिन संपर्क में हैं। इजराइल के सैन्य प्रवक्ता जनरल एफी डेफ्रिन ने दावा किया कि इजराइल का ''तेहरान के आसमान पर नियंत्रण है''। सेना ने कहा कि उसने मध्य ईरान में सतह से सतह पर मार करने वाले 120 से अधिक मिसाइल लॉन्चर नष्ट कर दिए हैं, जो ईरान के कुल लॉन्चर का एक तिहाई है। इसने यह भी कहा कि लड़ाकू विमानों ने तेहरान में 'कुर्द फोर्स' से संबंधित 10 कमांड सेंटरों पर हमला किया है। 'कुर्द' फोर्स ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड की एक विशिष्ट शाखा है जो ईरान के बाहर सैन्य और खुफिया अभियान संचालित करती है।

ब्रिटेन की अदालत में बोला भगोड़ा मेहुल चोकसी- भारत सरकार ने 2021 में रची थी मेरे अपहरण की साजिश

लंदन। पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) घोटाले के आरोपी कारोबारी मेहुल चोकसी ने भारत सरकार और पांच अन्य व्यक्तियों के खिलाफ लंदन की हाईकोर्ट में मुकदमा दायर किया है। चोकसी ने आरोप लगाया है कि भारत सरकार ने मई 2021 में उनके अपहरण, शारीरिक उत्पीड़न और जबरन भारत ले जाने की साजिश रची थी। भारत सरकार ने इन आरोपों को खारिज किया और राज्य प्रतिरक्षा (स्टेट इम्युनिटी) के आधार पर ब्रिटेन के क्षेत्राधिकार पर आपत्ति जताई है। भारत ने कोर्ट से यह भी आग्रह किया है कि भारतीय कानून और संविधान विशेषज्ञों की राय भी इस मामले में सुनी जाए। जस्टिस फ्रीडमैन के समक्ष सोमवार को सुनवाई के दौरान चोकसी ने दावा किया कि मई 3021 में उसे प्रताड़ित किया

गया और यह सभ भारत सरकार की सुनियोजित अपहरण करने की योजना का हिस्सा था। वहीं, भारत सरकार की ओर से वरिष्ठ वकील हरीश साल्वे पेश हुए। उन्होंने कोर्ट को बताया कि चोकसी के ये आरोप एक अंतरराष्ट्रीय साजिश का हिस्सा हैं और इनका असली मकसद भारत की छवि को नुकसान पहुंचाना और चोकसी को प्रत्यर्पण से बचाना है। चोकसी के वकील एडवर्ड फिट्जगेराल्ड ने दावा किया कि एंटीगुआ में पांच लोगों ने मिलकर उन पर हमला किया और उन्हें जबरन डोमिनिका ले जाया गया, ताकि उन्हें भारत भेजा जा सके। चोकसी के अनुसार, यह एक साजिश थी, जिसमें उनके साथ मारपीट की गई और उनकी आजादी का उल्लंघन किया गया। फिलहाल चोकसी बेल्जियम में हिरासत में है और भारत प्रत्यर्पण से बचने की कानूनी लड़ाई लड़ रहा है। वहीं, उसके भतीजे नीरव मोदी भी भारत में कई गंभीर आरोपों का सामना कर रहा है। वह अभी भी लंदन की जेल में है, जहां उसकी कई जमानत याचिकाओं को अदालत ने खारिज किया है। भारत में नीरव मोदी के खिलाफ तीन आपराधिक मामले चल रहे हैं दृ एक भारतीय स्टेट बैंक (सीबीआई) में धोखाधड़ी का मामला, दूसरा प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) का धनशोधन मामला और तीसरा गवाहों और सबूतों को प्रभावित करने से जुड़ा मामला। अप्रैल 2021 में ब्रिटेन की तत्कालीन गृह मंत्री प्रीति पटेल ने नीरव मोदी के भारत प्रत्यर्पण की मंजूरी दी थी, क्योंकि अदालत ने पाया था कि उस पर आरोप लगाने के लिए पर्याप्त आधार हैं। हालांकि हालिया सुनवाई में एक श्गोपनीयश कारण की बात कही गई है, जिसे नीरव मोदी का शरण आवेदन माना जा रहा है।

जी7 देशों की पश्चिम एशिया में तनाव कम करने की अपील, लेकिन बोले- इस्राइल को आत्मरक्षा का अधिकार

ओटावा। जी7 देशों के नेताओं ने पश्चिम एशिया में तनाव कम करने की अपील की, लेकिन साथ ही संयुक्त बयान में इस बात की पुष्टि भी की इस्राइल को आत्मरक्षा का अधिकार है। कनाडा के प्रधानमंत्री कार्यालय की तरफ से जारी जी7 देशों के संयुक्त बयान में कहा गया है कि श्हम जी7 देशों के नेता, पश्चिम एशिया में शांति और स्थिरता का समर्थन करते हैं। साथ ही हम इस बात की पुष्टि करते हैं कि इस्राइल को आत्मरक्षा का अधिकार है। हम इस्राइल की सुरक्षा का समर्थन करते हैं। साथ ही हम आम नागरिकों की सुरक्षा के भी पक्षधर हैं।

जी7 देशों का संयुक्त बयान– ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं हो सकते

जी7 देशों के संयुक्त बयान में ईरान को क्षेत्रीय स्थिरता के लिए खतरा और आतंकवाद का स्त्रोत बताया गया है। जी7 देशों ने भी कहा कि ईरान परमाणु हथियार नहीं रख सकता। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी ऐसा ही कहा था। ईरान और इस्राइल के बीच बीती 13 जून को संघर्ष शुरू हुआ था, जब इस्राइल ने एक बड़े हवाई हमले में ईरान के परमाणु ठिकानों को निशाना बनाया था। इस हमले में ईरान के परमाणु ठिकानों के साथ ही उसकी सेना के कई शीर्ष कमांडर और परमाणु वैज्ञानिक मारे गए थे। ईरान में अब तक इस्राइली हमलों में 224 लोगों की मौत हो चुकी है और सैंकड़ों घायल हैं।

इस्राइली हमले के बाद ईरान ने भी पलटवार किया और इस्राइल पर बैलिस्टिक मिसाइलों से बड़ा हमला किया। ईरान के हमले में इस्राइल में भी 24 लोगों की जान गई है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

कनाडा में टोइंग रैकेट का भंडाफोड़, 18 गिरफ्तार

टोरंटो। कनाडा के ओंटारियो प्रांत में पुलिस ने टोइंग (वाहन खींचने) से जुड़े एक संगठित आपराधिक गिरोह का भंडाफोड़ किया है। इस मामले में 18 लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें से ज्यादातर भारतीय मूल के बताए जा रहे हैं। पुलिस ने इनके पास से 42 लाख कनाडाई डॉलर (करीब 26 करोड़ रुपये) से ज्यादा की संपत्ति भी जब्त की है। जानकारी के मुताबिक, पील रीजनल पुलिस ने यह कार्रवाई एक संयुक्त अभियान श्प्रोजेक्ट आउटसोर्सश के तहत की। गिरफ्तार किए गए लोगों में 17 पुरुष और 1 महिला शामिल है। महिला का नाम हालेह जावादी तोराबी है, जो किंग सिटी की रहने वाली है। बाकी सभी पुरुष ब्रैम्पटन शहर के निवासी हैं।

कौन–कौन किया गया गिरफ्तार?

पील पुलिस के अनुसार, गिरफ्तारी में इंदरजीत ढामी, परितोष चोपड़ा, गुरबिंदर सिंह, कुलविंदर पुरी, परमिंदर पुरी, इंदरजीत बल, वरुण औल, केतन चोपड़ा, नॉर्मन तज़ेहकंद, पवनदीप सिंह, दीपांशु गर्ग, राहुल वर्मा, करण बोपाराय, मनकीरत बोपाराय, सिमर बोपाराय, जोवन सिंह और अभिनव भारद्वाज शामिल है। इन सभी की उम्र 21 से 38 वर्ष के बीच है।

गिरफ्तार लोगों पर 97 आपराधिक आरोप

पुलिस की तरफ से गिरफ्तार किए गए इन सभी लोगों कुल 97 आरोप लगे हैं, जिनमें आपराधिक संगठन चलाना, जबरन वसूली, धोखाधड़ी, हथियार रखना और अन्य गंभीर अपराध शामिल हैं। इनमें से तीन लोगों को बाद में कोर्ट में पेश होने के लिए छोड़ा गया, जबकि 15 लोगों को तुरंत जमानत सुनवाई के लिए कोर्ट भेजा गया।

टोइंग उद्योग की आड़ में अपराध

पुलिस जांच के अनुसार, ये लोग दो हिस्सों में काम कर रहे थे दृ एक समूह जबरन वसूली और हिंसा में शामिल था, जबकि दूसरा टोइंग उद्योग से जुड़ा था। ये लोग फर्जी एक्सीडेंट करके बीमा कंपनियों से धोखाधड़ी करते थे और हथियारों व धमकियों के जरिए स्थानीय टोइंग व्यवसाय पर कब्जा जमाने की कोशिश करते थे। इनके कुछ टोइंग व्यवसायों के नाम सर्टिफाइड रोडसाइड और हम्बल रोडसाइड बताए गए हैं।

पुलिस और सरकार की प्रतिक्रिया

पील पुलिस प्रमुख ने बताया कि गिरफ्तार किए गए लोगों में से लगभग आधे पहले से ही किसी न किसी जमानत पर थे। उन्होंने दोहराया कि ऐसे दोबारा अपराध करने वालों के लिए जमानत कानून में सुधार जरूरी है।

गाजा में मदद लेकर आ रहे ट्रकों का इंतजार करते समय 45 फलस्तीनियों की मौत, स्वास्थ्य अधिकारियों का दावा

नई दिल्ली।। गाजा पट्टी में जरूरत सामग्री का इंतजार करते हुए 45 फिलिस्तीनी मारे गए। यह घटना उस वक्त हुई जब संयुक्त राष्ट्र और वाणिज्यिक ट्रकों के पहुंचने की उम्मीद की जा रही थी। गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय और एक स्थानीय अस्पताल ने इसकी जानकारी दी। इन मौतों की परिस्थितियां फिलहाल स्पष्ट नहीं हैं। यह इस्राइली और अमेरिकी समर्थित राहत प्रणाली से जुड़ी नहीं मानी जा रही हैं, जिसे पिछले महीने लागू किया गया था। इसे प्रणाली को लेकर पहले से ही विवाद और हिंसा की खबरें सामने आ रही हैं।

इस्राइली सेना पर भीड़ पर गोलीबारी करने का आरोप

फिलिस्तीनियों का कहना है इन खाद्य वितरण केंद्रों के पास बार–बार भीड़ पर इस्राइली सेना ने गोलीबारी की है। स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों का कहना है कि इन घटनाओं में दर्जनों लोगों की मौत हुई हैऔर सैकड़ों घायल हुए हैं। इन मामलों पर इस्राइली सेना का कहना है कि लोगों पर चेतावनी के तौर पर गोलियां चलाईं, जो संदिग्ध ढंग से इस्राइली सैनिकों के पास पहुंचे थे।

संयुक्त राष्ट्र की एजेंसियों और प्रमुख सहायता समूहों ने सहायता के किसी भी बड़े मोड़ से इनकार किया है और नई प्रणाली को अस्वीकार कर दिया है। उनका कहना है कि यह गाजा में बढ़ती जरूरतों को पूरा नहीं कर सकती है। यह इस्राइल के हाथों में नियंत्रित करने की अनुमति देकर मानवीय सिद्धांतों का उल्लंघन करती है कि सहायता तक किसकी पहुंच है। विशेषज्ञों ने गाजा में व्यापक अकाल की चेतावनी दी है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा संचालित नेटवर्क ने 20 महीने तक चले इस्राइल–हमास युद्ध के दौरान गाजा में सहायता पहुंचाई है। लेकिन मार्च की शुरुआत से लेकर मई के मध्य तक इस्राइल के लगाए गए पूर्ण नाकेबंदी को ढीला करने के बाद से इसे बड़ी बाधाओं का सामना करना पड़ा है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
. 919450482227

कनाडा में चल रहा था G7 Summit... चेतावनी जारी करते हुए बीच से ही भागे डोनाल्ड ट्रम्प!

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सोमवार को कहा कि वह मध्य पूर्व की स्थिति के कारण कनाडा में आयोजित जी 7 देशों के शिखर सम्मेलन से जल्द ही वाशिंगटन वापस आ जाएंगे जहां ईरान और इजरायल के बीच संघर्ष बढ़ गया है। ट्रंप ने सोमवार को कहा कि ''सभी को तुरंत तेहरान खाली कर देना चाहिए।''

दुनिया भर के नेता पूरे विश्व में अनेक क्षेत्रों में जारी तनाव को कम करने में मदद के विशिष्ट लक्ष्य के साथ जी–7 में एकत्र हुए, लेकिन ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर टकराव के कारण यह बाधित हो गया है। इजराइल ने चार दिन पहले ईरान के खिलाफ हवाई हमले शुरू किए थे। शिखर सम्मेलन में ट्रंप ने चेतावनी दी कि इससे पहले कि ''बहुत देर हो जाए'' ईरान को अपने परमाणु कार्यक्रम पर लगाम लगानी चाहिए।

इजराइली हवाई हमले शुरू

ट्रंप ने कहा कि ईरानी नेता ''बातचीत करना चाहते होंगे'' लेकिन उनके पास अपने परमाणु कार्यक्रमों को लेकर सहमति बनाने के लिए 60 दिन थे और फिर भी इजराइली हवाई हमले शुरू होने से पहले वे ऐसा करने में विफल रहे। अमेरिका के राष्ट्रपति ने कहा, '' उन्हें समझौता करना होगा।'' यह पूछे जाने पर कि क्या अमेरिका इस संघर्ष में सैन्य रूप से शामिल होगा ट्रंप ने कहा, '' मैं इस बारे में बात नहीं करना चाहता।''

इजराइल ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम स्थलों को निशाना बनाया

अब तक इजराइल ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम स्थलों को निशाना बनाया है लेकिन वह ईरान के फोर्डो यूरेनियम संवर्धन संयंत्र को नष्ट नहीं कर सका है। यह स्थल जमीन के अंदर काफी गहराई में है और इसे नष्ट करने के लिए इजराइल को 30,000 पाउंड (14,000 किलोग्राम) के 'जीबीयू–57 मैसिव ऑर्डनेंस पेनेट्रेटर' की आवश्यकता होगी। इजराइल के पास इस स्तर के बमवर्षक नहीं हैं। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर सोमवार दोपहर चेतावनी देते हुए कहा, ''सभी को तुरंत तेहरान खाली कर देना चाहिए!'' इसके तत्काल बाद ट्रंप ने शिखर सम्मेलन छोड़कर जाने का फैसला किया।

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए, कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।